News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-94
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर मंगलवार, 09 जुलाई 2024

आज का विचार

कभी हार मत मानो..
क्या पता कामयाबी आपकी...
एक और कोशिश का इंतजार कर रही हो...

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिंगल कॉलम

चीनी सेना ने लद्दाख के पास हथियार इकट्ठा किए, सैटेलाइट तस्वीर से खुलासा

नई दिल्ली। चीन की सेना पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के बॉर्डर के पास बड़े पैमाने पर हथियार इकट्ठा कर रही है। यूएस फर्म ब्लैकस्काई ने इसकी सैटेलाइट इमेज जारी की है। ब्लैकस्काई का दावा है कि इन इमेज में चीनी सैनिकों के बंकर दिखाई दे रहे हैं। इन्हें हथियार और ईंधन के भंडारण के लिए बनाया गया है। ये बंकर 2021-22 के दौरान बनाए गए हैं। इनमें ईंधन और हथियारों को छिपाया गया है। इस जगह पर बख्तरबंद गाड़ियां भी देखी गई हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पैंगोंग झील के पास सिरजैप में चीनी सैनिकों का बेस है। यहां चीनी सैनिकों का मुख्यालय भी है। इस जगह पर भारत अपना दावा करता आया है। यह जगह एलएसी से सिर्फ 5 किलोमीटर दूर है। 5 मई 2020 को चीनी सैनिकों और भारतीय सैनिकों के बीच झड़प हो गई थी। उस वक्त यह पूरा इलाका खाली था। यहां न कोई गाड़ी थी, न ही कोई चौकी। चीनी सेना ने इसके बाद इलाके में धीरे-धीरे अपनी गतिविधियां बढ़ाई। ब्लैकस्काई ने जो तस्वीर ली है वह 30 मई 2024 की है। इसमें एक भूमिगत बंकर साफ दिख रहा है। इस बंकर में 5 दरवाजे हैं। बंकर को इस तरह डिजाइन किया गया है कि इसे हवाई हमले से कोई नुकसान न हो। ब्लैकस्काई के एक विशेषज्ञ ने बताया कि इस बेस में कई बख्तरबंद गाड़ियों को छिपाया जा सकता है, परीक्षण रेंज, ईंधन और गोला-बारूद को इकट्ठा करने के लिए भी यहां जगह है। चीनी सेना ने इस बंकर तक पहुंचने के लिए सड़कों और खाइयों का नेटवर्क बनाया है।

राहुल गांधी के समर्थन में आए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

नई दिल्ली। ज्योतिर मठ के 46वें शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हिंदुत्व वाले बयान का समर्थन किया। बीते दिनों लोकसभा में राहुल ने बेहद आक्रामक भाषण दिया जिसे लेकर भाजपा नेता उन पर हमलावर रहे। राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान उस समय विवाद हो गया, जब राहुल गांधी ने बीजेपी नेताओं पर लोगों को सांप्रदायिक आधार पर बांटने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनके भाषण की निंदा की। वहीं शकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि हमने राहुल गांधी का पूरा भाषण ध्यान से सुना है। उन्होंने साफ तौर से इस बात पर जोर दिया कि हिंदू धर्म हिंसा को खारिज करता है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें शंकराचार्य राहुल के भाषण के कुछ अंश प्रसारित करने की आलोचना करते नजर आते हैं। उन्होंने कहा, राहुल गांधी के बयान के केवल कुछ अंश शेयर करना भ्रामक और अनैतिक है। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि कांग्रेस सांसद और राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी ने भी भाई पर लगे आरोपों का बचाव किया। उन्होंने कहा कि राहुल कभी भी हिंदुओं के खिलाफ नहीं बोल सकते। उनकी टिप्पणी बीजेपी और उसके नेताओं को लेकर थी। वहीं, पीएम मोदी ने आरोप लगाया था कि राहुल ने सदन में हिंदुओं को हिंसा फैलाने वाला कहा है।

केजरीवाल की याचिका पर हाईकोर्ट ने ईडी और जेल अधिकारियों से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आबकारी नीति मामले में न्यायिक हिरासत में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अपनी कानूनी टीम के साथ दो अतिरिक्त वर्चुअल कॉन्फ्रेंस की अनुमति मांगने संबंधी याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) व तिहाड़ जेल अधिकारियों से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने जेल अधिकारियों और ईडी को पांच दिन के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 15 जुलाई तय की है। केजरीवाल की ओर से पेश अधिवक्ता ने तर्क दिया कि वकीलों के साथ अतिरिक्त बैठकें करने से कोई नुकसान नहीं होगा। ईडी की ओर से पेश विशेष वकील की आपत्ति करने पर बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने कहा कि यह मामला पूरी तरह से केजरीवाल और जेल के बीच का है। इसमें केंद्रीय जांच एजेंसी को टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने इस बात पर जोर दिया कि केजरीवाल के खिलाफ 35 मामले लंबित हैं, जिसके कारण उन्हें अपने वकीलों के साथ अतिरिक्त वर्चुअल मीटिंग करनी पड़ रही है। केजरीवाल ने पहले एक जुलाई के ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग मामले से संबंधित उनकी कानूनी टीम के साथ दो और वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के उनके अनुरोध को खारिज कर दिया गया था।

मुंबई में भारी बारिश का रेड अलर्ट, 50 फ्लाइट कैंसिल... आज भी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी

बीएमसी की सलाह- घरों में ही रहें

मुंबई और आसपास के इलाकों में लगातार बारिश के चलते उपनगरीय (सबअर्बन) ट्रेन सर्विस और फ्लाइट्स पर असर पड़ा है, जिससे सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। एक बुजुर्ग महिला की शॉर्ट-सर्किट से जलने से मौत हो गई, जबकि लोग पानी से भरी सड़कों पर चलने को मजबूर हो गए और यातायात में अव्यवस्था का सामना करना पड़ा।

मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने मंगलवार के लिए मुंबई में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गईं, स्कूल-कॉलेज लगातार दूसरे दिन बंद रहेंगे। बीएमसी ने लोगों से घरों में रहने की अपील की है।

मुंबई में ट्रैक डूबे, ट्रेन सर्विस चरमराई - सेंट्रल रेलवे की सेवाएं बारिश के कारण जलभराव के चलते बुरी तरह प्रभावित हुईं, हालांकि निचले इलाकों में उच्च क्षमता वाले पंप लगाए गए थे। स्थानीय ट्रेनें घंटों ट्रैक पर रुकी रहीं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। कई बाहरी ट्रेनें भी मुंबई की ओर जाते समय फंसी रहीं। हार्बर लाइन सर्विस सोमवार रात को जलभराव के कारण फिर से बंद कर दी गईं।

- वडाला स्टेशन पर जलभराव के कारण वडाला और सीएसएमटी के बीच सेवाएं रात 10ः15 बजे निलंबित कर दी गईं, जबकि मार्ग पर मानखुर्द और पनवेल के बीच ट्रेनें चल रही थीं। वेस्टर्न रेलवे के दादर-माटुंगा रोड के बीच ट्रैक रात 10 बजे डूबे हुए थे, जबकि सेंट्रल रेलवे पर मेन लाइन पर दादर और विद्याविहार और हार्बर लाइन पर वडाला पर ट्रैक पानी में थे।

- मुंबई एयरपोर्ट पर भारी बारिश के कारण दृश्यता कम होने से उड़ान सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं, जिससे रनवे संचालन एक घंटे से अधिक समय तक बंद रहा और लगभग 50 उड़ानें रद्द कर दी गईं।

मासिक धर्म अवकाश से महिलाओं को नौकरी मिलने में आएगी दिक्कत

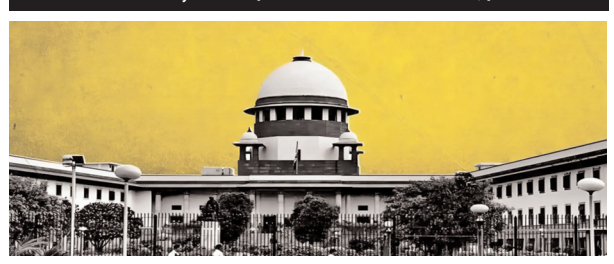

आधी आबादी की बातः सुप्रीम कोर्ट ने कहा- मासिक धर्म अवकाश पर एक आदर्श नीति तैयार करे केंद्र सरकार

नई दिल्ली। मासिक धर्म अवकाश को लेकर लंबे समय से बहस छिड़ी हुई है। अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र को निर्देश दिया कि वह राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ सलाह करके मासिक धर्म अवकाश पर एक आदर्श नीति तैयार करे। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह मुद्दा नीति से जुड़ा है। यह कोई ऐसा मुद्दा नहीं है, जिस पर अदालतों को गौर करना चाहिए। इसके अलावा, पीठ ने यह भी कहा कि अगर महिलाओं के लिए ऐसी छुट्टी दिए जाने का फैसला अदालत करती है, तो इसका असर गलत भी पड़ सकता है क्योंकि कंपनी उन्हें काम देने से बच सकती है।

9 साल बाद मास्को पहुंचे पीएम मोदी को एयरपोर्ट पर मिला गार्ड ऑफ ऑनर

मास्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस की अपनी दो दिवसीय यात्रा के लिए मॉस्को पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरो द्वारा उन्हें एयरपोर्ट पर गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। पिछले पांच साल में मोदी की रूस में पहली और अपने तीसरे कार्यकाल में पहली विदेश यात्रा है। पुतिन और पीएम मोदी के बीच ऊर्जा एवं रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर तलाशने के लिए शिखर वार्ता होनी है। पीएम मोदी का विमान स्थानीय समयानुसार पौने तीन बजे मॉस्को के वनुकोवो अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरा। रूसी सरकार ने उन्हें एयरपोर्ट पर ही गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया। पीएम मोदी पांच साल में पहली बार रूस पहुंचे हैं। यह उनके तीसरे कार्यकाल में पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भी है। इससे पहले पीएम मोदी 2019 में रूस गए थे। उस वक्त पीएम मोदी ने व्लादिवोस्तक में एक आर्थिक सम्मेलन में भाग लिया था। पीएम मोदी रूस की दो दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद ऑस्ट्रिया के लिए रवाना होंगे। पहला मौका है कि पुतिन ने किसी राष्ट्राध्यक्ष के स्वागत में डिप्टी पीएम को उतारा। पीएम मोदी को सम्मान देने के लिए रूसी राष्ट :पति पुतिन ने देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री मंतुरोव को अगवानी के लिये भेजा। यह पहला मौका था कि जब मंतुरोव ने किसी विदेशी शासनाध्यक्ष की हवाईअड्डे पर अगवानी की है। इससे पहले चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मॉस्को यात्रा के दौरान मंतुरोव से कनिष्ठ उप प्रधानमंत्री ने उनकी अगवानी की थी।

नीट-यूजी परीक्षा में धांधली पर 'सुप्रीम' टिप्पणी... यह तो साफ है कि पेपर लीक हुआ, सवाल यह है कि इसकी पहुंच कितनी व्यापक है?

दोबारा परीक्षा लेने का फैसला देने से नहीं हिचकेगा कोर्ट...

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। याचिका में पांच मई को हुई परीक्षा रद्द करने, एनटीए को दोबारा परीक्षा कराने का आदेश देने और अनियमितताओं के संबंध में कोर्ट की निगरानी में जांच किए जाने की मांग की गई। कुछ याचिकाकर्ताओं के वकील ने कोर्ट से दोबारा परीक्षा कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि कसूरवार और बेकसूरों की पहचान करना संभव नहीं है। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने एनटीए को परीक्षा रद्द करने से रोकने की मांग वाली गुजरात के 50 से अधिक सफल परीक्षार्थियों की याचिका पर भी सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि एक बात तो साफ है कि प्रश्न-पत्र लीक हुआ है। सवाल यह है कि इसकी पहुंच कितनी व्यापक है? पेपर लीक होना एक स्वीकार्य तथ्य है। लीक की प्रकृति कुछ ऐसी है, जिसका हम पता लगा रहे हैं। आप केवल इसलिए पूरी परीक्षा रद्द नहीं कर सकते, क्योंकि दो छात्र धांधली में शामिल थे। इसलिए हमें लीक की प्रकृति के बारे में सावधान रहना चाहिए। दोबारा परीक्षा का आदेश देने से पहले हमें लीक की सीमा के बारे में जानना होगा। ऐसा इसलिए, क्योंकि हम 23 लाख छात्रों के मामले को सुन रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि केंद्र और एनटीए ने इस गड़बड़ी से किन-किन छात्रों को फायदा पहुंचा? यह जानने के लिए क्या कार्रवाई की?

गलत काम करने वालों का पता एआई से निकालो

सुप्रीम कोर्ट ने साइबर फोरेंसिक यूनिट को शामिल करने, एआई का उपयोग करके गलत काम करने वालों की संख्या का पता लगाने और उनके लिए फिर से परीक्षा की संभावना तलाशने के बारे में पूछा। कोर्ट ने सीबीआई को जांच की स्थिति बताते हुए रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया कि वह बताए कि प्रश्नपत्र पहली बार कब लीक हुआ। वह प्रश्नपत्र लीक होने की घटना और 5 मई को परीक्षा आयोजित होने के बीच की समय अवधि के बारे में भी बताए। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के लिए 11 जुलाई की तारीख तय की।

कितने छात्रों के परिणाम रोके गए?

सुप्रीम कोर्ट ने इस पूरे मामले पर सीबीआई से स्टेटस रिपोर्ट मांगी है साथ ही एनटीए से भी सवाल पूछे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 11 जुलाई को सारे सवालों के जवाब लेकर आइए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर लीकेज का दायरा बड़ा है तो हम परीक्षा कैंसल करके दोबारा एग्जाम लेने का फैसला देने से नहीं हिचकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि लीक होने के कारण कितने छात्रों के परिणाम रोके गए। कोर्ट ने पूछा कि ये छात्र कहां हैं? भौगोलिक तौर पर ये छात्र कहां कहां हैं? क्या हम अभी भी गलत काम करने वालों का पता लगा रहे हैं और क्या हम लाभार्थियों की पहचान कर भी पाएं हैं? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि परीक्षा को दोबारा से कराना सबसे आखिरी विकल्प होना चाहिए। मामले में जो कुछ भी हुआ, उसकी जांच देशभर के विशेषज्ञों की एक बहु-अनुशासनात्मक समिति से कराई जानी चाहिए।

धांधली का फायदा उठाने वालों की पहचान कैसे करेंगे?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पढ़ाई-लिखाई की सबसे प्रतिष्ठित शाखा से निपट रहे हैं। हर मध्यम वर्ग का व्यक्ति चाहता है कि उनके बच्चे या तो चिकित्सा या इंजीनियरिंग की पढ़ाई करें। यह मानते हुए कि हम परीक्षा रद्द नहीं करने जा रहे हैं। हम ऐसे लोगों की पहचान कैसे करेंगे, जिन्हें इस धांधली का फायदा हुआ है। क्या हम काउंसलिंग होने देंगे और अब तक क्या हुआ है?

कश्मीर में सेना के काफिले पर आतंकी हमला चार जवान शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में आतंकियों ने भारतीय सेना के काफिले पर सोमवार को अचानक हमला कर दिया। हशतगर्दों की फायरिंग के बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से फायरिंग में सेना के चार जवान शहीद हो गए, जबकि छह जवान घायल हुए हैं। यह घटना जिले के माचेड़ी इलाके में हुई। बताया जा रहा है कि यह क्षेत्र इंडियन आर्मी की 9 कोर के तहत आता है। फिलहाल, बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। दो दिन पहले ही कुलगाम जिले में आतंकवादियों और जवानों के बीच 2 मुठभेड़ें हुई थीं। इस दौरान कुल मिलाकर 8 आतंकी मारे गए थे। मोदेरगाम और चिन्निगम गांवों में हुई मुठभेड़ों में एलीट पैरा यूनिट के लांस नायक प्रदीप कुमार और राष्ट्रीय राइफल्स बटालियन के सिपाही प्रवीण जंजाल प्रभाकर शहीद हो गए थे। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक आरआर स्वैन ने कहा कि आतंकवादियों का मारा जाना सुरक्षा बलों के लिए बड़ा मील का पत्थर है, क्योंकि इससे सुरक्षा माहौल मजबूत होगा। ये सफल ऑपरेशन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बहुत सार्थक हैं। ये ऑपरेशन यह संदेश भी देते हैं कि लोग आतंकवाद के कारण और अधिक खून खराबा नहीं चाहते हैं। रविवार को राजौरी जिले के एक गांव में सुरक्षा चौकी पर आतंकवादियों ने गोलीबारी कर दी थी। इसमें सेना का एक जवान घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने तड़के करीब 4 बजे मंजाकोट क्षेत्र के गलुथी गांव में सेना की चौकी पर गोलीबारी की, जिसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

रामनिवास रावत को दो बार दिलानी पड़ी मंत्री पद की शपथ

भोपाल। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार की कैबिनेट का दूसरा विस्तार सोमवार को हो गया। हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए रामनिवास रावत मंत्री बनाए गए हैं। उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। राजभवन में राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने उन्हें एक संक्षिप्त समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। खास बात यह रही कि रामनिवास रावत को दो बार मंत्री पद की शपथ लेनी पड़ी। दरअसल, पहले उनके मुंह से शपथ लेते समय राज्य मंत्री निकल गया था। इसके चलते दूसरी बार शपथ में मध्यप्रदेश राज्य के मंत्री बुलवाकर शपथ दिलवाई गई। विजयपुर सीट से 6 बार के विधायक रामनिवास रावत की गिनती मध्यप्रदेश के दिग्गज कांग्रेसी नेताओं में थी। इसी साल 30 अप्रैल को वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए। 2019 में मुरैना से लोकसभा चुनाव लड़ चुके रावत एमपी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रहे हैं। वे दिग्विजय सिंह सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं। छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा से कांग्रेस से भाजपा में आए कमलेश शाह को भी मंत्री बनाए जाने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि यदि वे उपचुनाव में जीत हासिल करते हैं तो एक और कैबिनेट विस्तार हो सकता है। मध्यप्रदेश में कुल 34 मंत्री हो सकते हैं। रामनिवास के शपथ लेने के बाद अब 31 मंत्री बन चुके हैं। मंत्रिमंडल में तीन और पद खाली हैं।

यह कहा सीएम मोहन यादव ने

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राम निवास रावत को कैबिनेट मंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर नए दायित्व के लिए उन्हें बधाई दी है। सीएम ने कहा कि मंत्रिमंडल में नए सदस्य का आगमन हुआ है। रावत सार्वजनिक जीवन में लंबे समय से सक्रिय हैं, वे चंबल अंचल के श्योपुर जैसे विकास की संभावना वाले जिले को प्रभावी प्रतिनिधित्व प्रदान कर रहे हैं। कैबिनेट मंत्री होने के नाते उनके अनुभव का लाभ पूरे मंत्रिमंडल और सभी प्रदेशवासियों को मिलेगा।

रावत ने वाट्सएप पर इस्तीफा भेजा था!

विजयपुर से कांग्रेस विधायक रहे रामनिवास रावत 30 अप्रैल को भाजपा की सदस्यता ली थी। इसके बाद भी उन्होंने विधायकी से इस्तीफा नहीं दिया था। बजट सत्र में भी वे कांग्रेस विधायक की हैसियत से विधानसभा में मौजूद रहे। सूत्रों का कहना है कि वे मंत्री पद मिलने तक विधायकी छोड़ने को तैयार नहीं थे। कांग्रेस ने भी इसे मुद्दा बनाने की कोशिश की। कांग्रेस से राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि राम निवास जी मैं आपका आदर करता हूं। किस पार्टी के सदस्य रहना चाहते है, यह आपका निजी फैसला है। उचित होता कि आप कांग्रेस से निर्वाचित विधायक पद से पहले इस्तीफा देते और फिर मंत्री बनते। राजनीतिक शुचिता और संविधान के 10वें शेड्यूल का सम्मान करें। इसके जवाब में रावत ने लिखा कि आपकी भावनाओं का मैं हृदय से सम्मान करता हूं। आपके सुझाव का भी सम्मान करता हूं। मैं पांच जुलाई को ही विधानसभा सदस्यता से अपना त्याग पत्र विधानसभा सचिवालय भेज चुका हूं। मेरे भाजपा में रहने पर भी आपका स्नेह सदैव बना रहेगा। सुबह से इस्तीफे को लेकर उहापोह की स्थिति बनी रही। फिर विधानसभा सूत्रों ने कहा कि रावत ने वाट्सएप पर इस्तीफा भेजा था। उसे स्वीकार कर लिया गया है। वहीं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को हाल ही में कांग्रेस के विधायकों ने प्रमाण के साथ शिकायत करते हुए रामनिवास रावत की सदस्यता समाप्त करने की मांग की थी। दूसरी तरफ डॉ.मोहन यादव सरकार ने कांग्रेस के ही विधायक को मंत्री पद की शपथ दिला दी है।

अमरवाड़ा में थमा चुनावी शोर, कल वोटिंग, 13 को मतगणना

अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव का शोरगुल सोमवार को थम गया। अमरवाड़ा विधानसभा में 10 जुलाई को वोटिंग होनी है, जिसको लेकर प्रशासन के द्वारा व्यापक तैयारी की गई है। अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में 9 प्रत्याशी मैदान में हैं। जिसमें निर्दलीय अतुल राजा उइके, राष्ट्रीय गोंडवाना पार्टी से रीता कमलेश मरकाम, जनसेवा गोंडवाना पार्टी से राजकुमार सरेयाम, गोंडवाना गणतंत्र पार्टीस से देवीराम भलावी, अहिंसा समाज पार्टी से चंद्रदीप तेकाम, धीरन शाह इनवाती कांग्रेस और कमलेश शाह भाजपा से प्रत्याशी हैं। निर्दलीय पनवशाह सरेयाम, शोभाराम भलावी मैदान में है। मुख्य मुकाबला भाजपा व कांग्रेस के बीच है, जिसमें भाजपा से पूर्व विधायक राजा कमलेश शाह और कांग्रेस से धीरन शाह चुनाव मैदान में डटे हुए है। अमरवाड़ा विधानसभा चुनाव में कुल 234000 मतदाता प्रत्याशियों के भाग का फैसला करेंगे। जिसमें से 118010 पुरुष मतदाता है, जबकि 116315 महिला मतदाता है। 10 जुलाई को होने वाले मतदान को लेकर प्रशासन के द्वारा चाक चौबंद व्यवस्था की गई है। 13 जुलाई को यहां मतगणना होगी।

सिंगल कॉलम

रेवतीरेंज में प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप, इंदौर के 30 निशानेबाज हुए क्वालीफाई

इंदौर। रेवती रेंज पर 3 से 8 जुलाई तक हुई फर्स्ट एम.पी. प्री स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में प्रदेश के 25 क्लबों एवं डेली कॉलेज सहित दस बड़े स्कूलों के 500 शूटर्स के बीच स्पर्धा हुई। इन स्पधाओं में वीर रायफल शूटिंग सोसायटी के 35 शूटर्स ने हिस्सा लेकर इनमें से 30 ने 27वीं स्टेट चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। इसके साथ ही इसी क्लब से मास्टर एयर रायफलमैन में राम हर्ष कुशवाह ने गोल्ड मैडल एवं मास्टर एयर पिस्टलमैन में नरेश पाल सिंह ने भी गोल्ड मैडल प्राप्त किया। इसी तरह मास्टर एयर पिस्टलमैन में डॉ. आशीष जैकब ने कांस्य और मास्टर महिला कैटेगिरी में विद्या शर्मा ने कांस्य पदक प्राप्त किया। यह पहला अवसर था, जब इंदौर के निशानेबाजों ने इतनी बड़ी संख्या में स्टेट चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाय किया और 2 स्वर्ण पदक सहित 4 पदक भी प्राप्त किए। सभी विजेताओं को कोच सतीश शर्मा, आईएसएसएफ ज्यूरी प्रियांशी गुप्ता, वाइस प्रेसीडेंट एमपीएसआरए डी.के. शुक्ला तथा सचिव राकेश गुप्ता के साथ बीएसएफ एक्स मैन वेलफेयर एसोसिएशन के अजय जैन सहित अनेक पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दीं और अगली सभी स्पधाओं के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

श्रीब्रह्मोत्सव व रथयात्रा महोत्सव का हुआ समापन

इंदौर। पावन सिद्ध धाम श्रीलक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान छत्रीबाग में चल रहे सात दिवसीय श्री ब्रह्मोत्सव एवं रथयात्रा महोत्सव का रथयात्रा में नगर भ्रमण कर साथ ही शांति अभिषेक ओर ध्वजावतरण के साथ सोमवार को समापन हुआ। दक्षिण भारत से पधारे श्रीमन्नरायन भट्टर स्वामियों के एक बड़े समुदाय के साथ इंदौर के पुजारी बिहारीलाल, दीपक शर्मा, नितिन शर्मा, जय दुबे, नन्दलाल शर्मा आदि के द्वारा महोत्सव के समापन पर अनंत श्री विभूषित श्रीमद्जगद्गुरु रामानुजाचार्य नागोरिया पीठाधीश्वर स्वामी विष्णुप्रपन्नाचार्य महाराज द्वारा उत्सव में ठाकुरजी के द्वारा जो परिश्रम हुआ उस परिश्रम से शारीरिक व्यथा हुई उस व्यथा को शांत करने के लिए प्रभु वेंकटेशजी के दिव्य मंगल विग्रह का दिव्य औषधि तीर्थों दक स्वर्णों दक झरो दक जल से एवं दूध, दही, घी, शक्कर, इत्र, हल्दी, चंदन अनेक फल के रस, अनेक वृक्षों की मूल छाल पत्र के जल से इन सभी ओषधि आंवला, पदम केशर,जटा मासी,गोरोचन,नाग केशर, कपूर काचरी, छाल छबीला,नागर मोथा, कलांजन,वृद्धि,ब्राह्मी, सहदेवी विष्णु प्रिया, शंख पुष्पी, श्वेत बिहति के द्वारा प्रभु वेंकटेश जी व भगवती श्री श्रीदेवी और श्री भूदेवी का शांति अभिषेक किया गया। यजमान अशोक डागा परिवार ने कलशों का पूजन किया।

मंदिर के प्रचार प्रमुख पंकज तोतला ने बताया कि साथ ही सभी के द्वारा उत्सव में कोई भूल या भगवानजी को कोई कष्ट हुआ हो तो मन की भवनाओं से क्षमा प्रार्थना भी की जाती है। इस अवसर प्रभु को हल्दी लगाकर वरमाला धारण कराई गई। श्री सूक्त पुरुष सूक्त वेंकटेश स्तोत्र गुरु परंपरा के स्तोत्र पाठ किए गए।वेंकटरमण गोविंदा श्री निवासा गोविंदा का कीर्तन लगातार किया गया। रजत पुष्प व तुलसी पुष्प से अर्चना की गई। इसके पूर्व देवस्थान से निकली रथयात्रा जिसमें भक्तों का समूह इतना ज्यादा था कि नगर में भ्रमण करते हुए रात्र में 2.30 बजे गोविंदा गोविंदा के कीर्तन ओर हनुमान चालीसा करते भक्तों के साथ देवस्थान में पहुंची। देवस्थान पहुंचते ही जोरदार आतिशबाजी के साथ प्रभु का पुन: स्वागत किया गया। यात्रा पहुंचने के बाद प्रभु की नजर उतारी गई। रात में यज्ञ का समापन कर स्वर्ण खम्ब पर उत्सव के शुरू में चढ़ाया गया गरुड़ ध्वजा को पूजन कर उतारी गई। उसके बाद ध्वज को 1 परिक्रमा कर भगवान गरुड़ जी को विदा किया गया। इसके बाद स्वामीजी ने सभी भक्तों कार्यकताओं को आशीर्वाद प्रदान किया।

परमानंद धाम से गायब हुआ मानसिक दिव्यांग बालक

इंदौर। शहर के युगपुरुष धाम में मानसिक-शारीरिक दिव्यांग बच्चों के बीमार होने और कुछ की मृत्यु होने के बाद जिन बच्चों को खंडवा रोड स्थित परमानंद आश्रम में स्थानांतरित किया गया था, उनमें से एक 16 वर्षीय आनंद कुमार गायब है। आश्रम संचालिका डॉ अनीता शर्मा की शि?कायत के बाद पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार यह किशोर मानसिक रूप से दिव्यांग है, इसलिए आशंका है कि आश्रम के बाहर चले जाने के बाद वह किसी घटना का शिकार भी बन सकता है। किशोर के गायब होने से प्रशासन और पुलिस में हड़कंप है। पुलिस अब इस किशोर की खोजबीन में जुट गई है। पुलिस ने इस मामले में युगपुरुष धाम आश्रम संचालिका की शिकायत पर अपहरण का केस दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार इस बच्चे को युग पुरुष धाम आश्रम से खंडवा रोड आश्रम भेजा गया था। शहर के पंचकुइया धाम आश्रम में क्षमता से अधिक बच्चे होने से उन्हें अन्य आश्रमों में भेजा जा रहा है। तेजाजी नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बच्चा रविवार को ही युग पुरुष धाम आश्रम से खंडवा रोड स्थित अखंड परमानंद आश्रम भेजा गया था।

मोपेड पर जा रहे निगमकर्मी को बस ने कुचला, मौके पर हो गई मौत

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक बस से कुचल कर सोमवार सुबह एक नगर निगम कर्मचारी की मौत हो गई। वह ड्यूटी पर जा रहे थे। वे सर्विस रोड से गुजर रहे थे। बस चालक का ध्यान नहीं था और उसने निगमकर्मी को टक्कर मार दी। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रामप्रसाद मोर्य सुबह घर से ड्यूटी के लिए रवाना हुए थे। रिंग रोड पर महाकाल ट्रेवल्स की बस ने उनकी मोपेड को टक्कर मार दी। अ?ारछा की यह बस रामप्रसाद को टक्कर मारने के बाद डिवाइडर से टकराते बची। अगले पहिए में रामप्रसाद की मोपेट फंस गई और पहिया उन्हें कुचलते हुए निकल गया। टक्कर के बाद ड्रायवर नीचे भाग गया। बाद में क्लीनर न राम प्रयास को निकाला, लेकिन सिर पर पहिया चढ़ने के वजह से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यात्रियों का कहना है कि आती हुए मोपेड बस ड्रायवर को दिखाई नहीं थी। उसका ध्यान बस को दाई तरफ मोड़ने पर था। बस की स्पीड भी ज्यादा नहीं थी। फिर भी हादसा हो गया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया है। मोर्य की हादसे में मौत की खबर

मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे। पुलिस फरार ड्राइवर की तलाश कर रही है।

एक और बस खड़ी थी, इसलिए एक-दूसरे को नहीं देख पाए

पुलिस के मुताबिक रिंग रोड पर महाकाल ट्रेवल्स (ओरछा) की बस ने बाइक से जा रहे राम प्रसाद मोर्य को टक्कर मार दी। वीडियो में दिख रहा है कि गली में खड़ी बस सर्विस रोड के पास लाई जा रही थी। ड्राइवर ने दाएं और बाएं देखे बगैर ही बस आगे बढ़ा दी, इससे हादसा हो गया। पहली वाली बस को ड्राइवर गली से निकालकर जब सर्विस रोड पर लाया था, तभी वहां एक अन्य बस खड़ी थी। उसी बस के पीछे से निगम कर्मचारी राम प्रसाद आ रहे थे। संभवत: हादसे वाली बस के ड्राइवर और निगम कर्मचारी के बीच में दूसरी बस खड़ी होने से वे एक-दूसरे को देख ही नहीं पाए। जैसे ही बस सर्विस रोड पर आगे बढ़ी, बाइक सवार निगम कर्मी सामने आ गया और हादसे का शिकार हो गया।

हादसे के बाद बस का ड्राइवर फरार हो गया

निगम कर्मचारी राम प्रसाद मौर्य के सामने आने पर भी बस ड्राइवर ने ब्रेक नहीं लगाया। हादसे के बाद ड्राइवर बस से उतरा और भाग गया। वहां मौजूद लोगों ने बस के स्टाफ को हादसे की जानकारी दी। तब बस को रिवर्स करके पीछे हटाया। तब तक राम प्रसाद की मौत हो चुकी थी।घटनाक्रम की जानकारी आजाद नगर पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी बरामद किए और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया है।

चश्मदीद बोले- बस ड्राइवर का ध्यान ही नहीं था

दरअसल, सर्विस रोड होने के कारण सड़क पर डिवाइडर की दीवार बनी हुई है। इस वजह से राम प्रसाद मौर्य को संभलने के लिए एक सेकंड का भी समय नहीं मिल सका। हादसे का सीसीटीवी सामने आने के बाद पुलिस ने बस ड्राइवर पर लापरवाही का केस दर्ज किया है। चश्मदीद का कहना है कि जब ड्राइवर गली से गाड़ी को सर्विस रोड पर लाया तो उसने अगल-बगल देखने की कोशिश ही नहीं की। बस ज्यादा स्पीड में नहीं थी, ऐसे में ड्राइवर का ध्यान होता तो हादसा ही नहीं होता।

रात में होटल और क्लब बार की लाइव रिकॉर्डिंग देखेंगे अधिकारी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने सभी रेस्टोरेन्ट बार, होटल बार एवं क्लब बार में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य कर दिया है। उन्होंने कहा है कि आदेश का उल्लंघन करने वाले बार संचालकों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नियमों के मुताबिक रेस्टोरेन्ट, पर्यटन, होटल, रिसोर्ट तथा क्लब बार लायसेंस के अन्तर्गत परिसर में विदेशी मदिरा की बिक्री का समय प्रात: 10 बजे से रात्रि 11:30 बजे तक एवं उपभोग का समय रात्रि 12 बजे तक नियत है। समय-समय पर आबकारी विभाग, पुलिस विभाग व अन्य अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान बार निर्धारित समय के बाद भी देर रात तक संचालित होना पाए जाते हैं। कई रेस्तरां, होटल और बार देर रात तक खुले रहने के कारण, उनमें अप्रिय घटनाएं होने की संभावनाएं रहती हैं। इसके साथ स्टूडेंट्स के बार में आने की शिकायतें और अपराधियों के द्वारा हंगामे करने के मामले भी लगातार सामने आते हैं।

निजता के अधिकार का ध्यान रखना होगा

जारी आदेशानुसार इंदौर जिले में संचालित समस्त रेस्तरां बार (एफ.एल.-2), होटल बार (एफ.एल.-3) एवं सिविलियन क्लब बार (एफ.एल.-4) को निदेर्शों का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य है। इसके अनुसार बार परिसर के प्रवेश द्वार, मदिरा संग्रहण

काउन्टर, डायनिंग परिसर, निकासी द्वार व पार्किंग में क्लोज सर्किट टेलीव्हिजन (सीसीटीवी) कैमरें अनिवार्यत: लगवाएंगे तथा उक्त स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे के निगरानी संकेत प्रदर्शित करेंगे, जिससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि बार में आने वाले लोगों को यह पता रहेगा कि उन पर निगरानी रखी जा रही है। सीसीटीवी कैमरे उन क्षेत्रों में नहीं लगाए जाएंगे जिसमें व्यक्ति की निजता के अधिकार का उल्लंघन हो एवं सूचना प्रोद्योगिकी अधिनियम के अंतर्गत एकांतता का उल्लंघन होता हो।

अधिकारियों को देना होगा लाइव एक्सेस

सीसीटीवी कैमरे व उनके एक्सेस का उद्देश्य, रेस्तरां बार (एफ.एल.-2), होटल बार (एफ.एल.-3) एवं सिविलियन क्लब बार (एफ. एल.-4) का नियमानुसार संचालन, उनमें होने वाले अपराध को रोकने, व्यक्ति व संपत्ति की सुरक्षा, संरक्षण व संरक्षा है। सभी बार अनुज्ञप्तिधारी आधुनिक एआई तकनीक एवं उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे अपने अनुज्ञप्त परिसर में स्थापित करवाकर, उक्त सीसीटीवी कैमरों का रात्रि 12 बजे से प्रात: 4 बजे तक का लाइव एक्सेस, संबंधित आबकारी, अन्य संबंधित अधिकारियों तथा आबकारी नियंत्रण कक्ष इंदौर पर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। इस आदेश का उल्लंघन होने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार अनुज्ञप्ति के निरस्तीकरण की कार्यवाही की जाएगी।

बस रिवर्स लेते समय उसकी चपेट में आया नर्मदा प्रोजेक्ट अधिकारी

प्रोजेक्ट अधिकारी राम प्रसाद की मोके पर हुई मोत

प्रदीप चौधरी सिटी चीफ

इंदौर के आजाद नगर थाना क्षेत्र की तीन इमली चौराहे पर सोमवार सुबह क्लीनर की लापरवाही से नर्मदा प्रोजेक्ट में पदस्थ अधिकारी की बस रिवर्स लेने के दौरान बस की चपेट में आने मौत हो गई जँहा पूरा मामला वहा लगे सीसीटीवी में कैद हो गया है।

दरअसल पूरा मामला इंदौर के आजाद नगर थाना क्षेत्र के तीन इमली चौराहे का है जहाँ नर्मदा प्रोजेक्ट में पदस्थ राम प्रसाद सोमवार सुबह अपने घर से ड्यूटी पर जा रहे थे तभी तीन इमली चौराहे पर महांकाल बस सर्विस के क्लीनर द्वारा लापरवाही पूर्वक बस रिवर्स ली जा रही थी उसी दौरान राम प्रसाद को बस ने बुरी तरह से दबा दिया जिससे राम प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई । वही पूरी घटना वहा लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आप देख सकते है कि किस तरह से महांकाल बस सर्विस के क्लीनर द्वारा नर्मदा प्रोजेक्ट में पदस्थ राम प्रसाद को पीछे की तरफ से गाड़ी चढ़ा दी गई है जिससे राम प्रसाद की मौके पर मौत हो गई । बहरहाल पुलिस ने क्लीनर को गिरफ्तार कर बस को भी जप्त कर लिया है।

लापता पूर्व सरपंच पति की चोरल नदी के पास मिली लाश

हत्या की आशंका, पोस्टमार्टम के बाद लिया जायेगा एक्शन

प्रदीप चौधरी । सिटी चीफ

इंदौर- इंदौर से कुछ ही किलो मीटर दूर रविवार से लापता पूर्व सरपंच पति की लाश चोरल नदी किनारे पड़ी हुई मिली है, आशंका है कि उसकी हत्या की गई है। मृतक का पूर्व में घोटाले में भी नाम सामने आया था, सिमरोल पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार को पूर्व सरपंच पति दिलीप बुंदेला की गुमशुदगी की शिकायत उनके भाई मुकेश ने दर्ज करवाई थी। दिलीप बुंदेला की गाय जंगल में गई थी, वह नहीं लौटी थी उसी को तलाशने के लिए दिलीप जंगल में गया हुआ था। और कल सुबह से उनका फोन भी बंद हो गया था। परिजनों ने जंगल में तलाश की मगर वह नही मिला था, आज सोमवार सुबह चोरल नदी के किनारे दिलीप की लाश मिली है। शरीर पर घाव के निशान है, किसी जानवर ने उन पर हमला किया है या कुल्हाड़ी मारकर उनकी हत्या की गई है। यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही साफ हो पाएगा। घटना की जानकारी जैसे ही गांव वालों को लगी पूरा गांव मौके पर पहुंच गया है, फिलहाल पुलिस अधिकारियों का कहना है जांच जारी है..और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा

निगम रिमूवल कर्मचारियों-ठेले वालों में जमकर हाथपाई

इंदौर। सोमवार को नगर निगम की रिमूवल टीम द्वारा सड़कों पर ठेले वालों को हटाने के दौरान विवाद हो गया। इस दौरान जमकर मारपीट हुई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। मामले में नगर निगम की ओर से रावजी बाजार थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। दरअसल कुछ समय से सड़कों पर ही ठेले लगाकर फिर व्यापार किया जा रहा था। सोमवार को मोती तबेला में ठेले लगने की सूचना निगम के रिमूवल टीम को लगी तो टीम मौके पर पहुंची। वह ठेले संचालकों पर कार्रवाई करने लगी तो तीखी बहस हो गई। इस दौरान ठेले संचालकों ने कार्रवाई का विरोध किया। इसे लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए और हाथापाई शुरू हो गई। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी निगमकर्मियों का बचाव करते रहे। सहायक रिमूवल प्रभारी बबलू कल्याणे और अश्विन कल्याण के साथ भी मारपीट की गई। इस पर निगमकर्मियों ने ठेला चालकों की पिटाई शुरू कर दी और उन्होंने अपना बचाव किया।

जुलाई के पहले हफ्ते में बारिश के लिए तरसा इंदौर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। जुलाई में इंदौर को तर करने वाला इस माह का पहला हफ्ता रुखा ही बीता। एक हफ्ते में रोज बादलों का दौर रहा। हफ्ते में सिर्फ चार दिन कुछ मिनटों तक बारिश हुई। स्थिति यह रही कि इस हफ्ते आधा इंच भी बारिश नहीं हुई।

इस सीजन में अब तक 4 इंच ही बारिश हुई है जबकि पिछले साल 7 जुलाई तक 9 इंच बारिश हो चुकी थी यानी इस बार आधे से भी कम। सोमवार सुबह से ही बादल छाए हैं और कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो रही है। इस दौरान तापमान में 2 डिग्री की गिरावट और 29 (-3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

इस बार 2 जुलाई को सबसे ज्यादा 4.8 मिमी बारिश हुई थी जबकि हफ्ते की कुल बारिश सिर्फ 11 मिमी ही हुई। जून में 4 इंच बारिश हुई थी। इन दिनों दिन का तापमान 30 (-2) डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 23 (0) डिग्री के करीब बना हुआ है। अभी तापमान में गिरावट जरूर है लेकिन उमस बनी हुई है। रविवार को भी उमस ने काफी सताया।

अभी इस सीजन की बारिश के 85 दिन बाकी हैं जबकि कोटा 37 इंच का है। इस लिहाज से इंदौर को अभी 33 इंच पानी की दरकार है। जुलाई में औसत बारिश 12 इंच होती है। पिछली बार तो 17 इंच से ज्यादा बारिश हुई थी। जुलाई

2013 में तो 22 इंच से ज्यादा बारिश हुई थी।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई सुरेंद्र ने बताया कि नार्थ ईस्ट राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक सिस्टम सकुर्लेशन है। नार्थ मप्र से नार्थ ईस्ट मप्र की ओर अभी काफी बादल हैं। इंदौर में अभी तेज या भारी बारिश के संकेत नहीं है। अभी दो तीन दिन बादलों के छाने के साथ हल्की बारिश के आसार हैं।

6सिवनी में ढाई इंच बारिश, सतना-खजुराहो में भी गिरा पानी

इससे पहले रविवार को भी मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी रहा। सिवनी में ढाई इंच पानी गिर गया। वहीं, सतना में 1.7 इंच और खजुराहो में 1.3 इंच बारिश हुई। छिंदवाड़ा, जबलपुर, मंडला, नौगांव, बालाघाट जिले के मलाजखंड, बैतूल, धार, गुना, खरगोन समेत कई जिलों में बारिश हुई। बारिश की वजह से सिवनी में टेम्प्रेचर सबसे कम 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पचमढ़ी, मलाजखंड और खंडवा में भी पारा 30 डिग्री से कम रहा।

हमीदिया अस्पताल में बड़ा हादसा टला, इमरजेंसी में रोजाना आते हैं 150 से अधिक इमरजेंसी केस

727 करोड़ की बिल्डिंग का छज्जा गिरा, बाल-बाल बचे मरीज-डॉक्टर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। हमीदिया अस्पताल में गत रात को मरीज और डाक्टर बाल-बाल बच गए। यहां इमरजेंसी विभाग में रात को 12.15 के आस-पास छज्जा गिर गया। उस समय में एक डाक्टर मरीजों का उपचार कर रहा था, गनीमत रही कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। बता दें कि यहां हमीदिया अस्पताल की इमरजेंसी में रोजाना 150 से अधिक इमरजेंसी केस आते हैं। वहीं दिन में 200 से 350 तक संख्या पहुंच जाती है।

डाक्टर सौमित्र बाथम ने बताया कि मैं इमरजेंसी वार्ड में केबिन में मरीजों का इलाज कर रहा था।

इसी बीच खिड़की के पास का छज्जा गिर गया। इसके बाद मैं और मरीज अपना बचाव करते हुए केबिन के बाहर आ गए। इसके बाद प्रबंधन को इसकी जानकारी दी गई।

बतादें कि हमीदिया अस्पताल की इस इमरजेंसी वार्ड का उद्घाटन

अगस्त 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था। और यह बिल्डिंग 727 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की गई थी। उस समय उन्होंने वर्तमान मुख्यमंत्री ने गांधी मेडिकल कालेज में नए ओपीडी ब्लाक का भूमिपूजन भी किया था।

दिग्विजय सिंह ने कार्यकर्ताओं को पढ़ाया सफलता का पाठ

सेल्फी अपलोड करने से नेता नहीं बनोगे

सिटी चीफ भोपाल।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आरएसएस की दिशा में चलकर काम करने की सलाह दी। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर की है। जिसमें उन्होंने नेताओं और कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी से सीख हासिल करने की नसीहत दी है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने वाले नए नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिदायत दी है कि सोशल मीडिया पर बड़े नेताओं के साथ सेल्फी अपलोड करने से नेता नहीं बन पाओगे। नेता बनने के लिए लोगों के बीच जाना होगा। गांव, मुहल्ले में जाना पड़ेगा। लोगों से मिलना और उनके सुख दुख में शामिल होना पड़ेगा। लोगों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं

सुनना और इनके समाधान के प्रयास करना ही लोगों से जुड़ाव का कारण बन पाएगा।

पहले दी थी यह सीख

इससे पहले दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को आरएसएस की तर्ज पर काम करने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा था जिस तरह आरएसएस की पहुंच घर घर तक है, कांग्रेस को भी वही मजबूत पकड़ बनाने की जरूरत है।

कर्ज लेकर घी में नहाने की परंपरा शुरू करने वाली सरकार की एक और उपलब्धि

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार पर साधा निशाना

सिटी चीफ भोपाल।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सरकारी उपक्रमों (पीएसयू)के घाटे को लेकर कैग की रिपोर्ट पर बीजेपी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने अपने सोशल साइट एक्स पर लिखा है कि कर्ज लेकर घी में नहाने की नई परंपरा शुरू करने वाली बीजेपी सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के जरिए पब्लिक डोमेन में यह तथ्य आया है कि भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कैग) ने मप्र सरकार को अपने सरकारी उपक्रमों (पीएसयू) की बदहाल स्थिति को लेकर कड़ी नसीहत दी है।

पटवारी लिखा कि प्रदेश के 41 निष्क्रिय और भारी घाटे वाले पीएसयू को लेकर कैग ने राज्य सरकार के मॉनिटरिंग मॉडल को कटघरे में खड़े करते हुए कहा है कि सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने के बजाए इनके कामकाज की गंभीरता से समीक्षा करे, या तो इन्हें बंद कर दे या फिर इनके पुनरुद्धार के लिए कदम उठाए। रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रदेश शासन के 74 पीएसयू हैं। इनमें से 61 सरकारी हैं। इन सभी में 41 पीएसयू ऐसे हैं, जो निष्क्रिय हैं। यहां भी चौंकाने वाला सच यह है कि कुछ 3 साल से तो कुछ 33 साल से निष्क्रिय हैं। सर्वाधिक घाटे वाले उपक्रमों में मप्र की तीनों विद्युत वितरण कंपनियां हैं।

सरकार के 21 ऐसे पीएसयू ने कई सालों से नहीं करवाया ऑडिट

पीसीसी चीफ पटवारी ने आगे कहा कि प्रदेश सरकार के 21 ऐसे पीएसयू हैं, जिन्होंने पिछले कई सालों से अपना ऑडिट ही नहीं करवाया है। ये ऑडिट पिछले 3 से लेकर 33 साल से लंबित है। इनमें मप्र पर्यटन बोर्ड, लघु उद्योग निगम, नागरिक आपूर्ति निगम, राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड, कृषि उद्योग विकास निगम, सागर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज.सूची में दर्ज नाम यहीं खत्म नहीं हो रहे हैं। मप्र व महाराष्ट्र खनिज-रसायन लिमिटेड, मप्र सड़क परिवहन निगम, मप्र सड़क विकास निगम, पुलिस हाउसिंग एंड इंफ्रा स्ट्रक्चर डेवलपमेंट कापोर्रेशन, संत रविदास हस्तशिल्प व हथकरघा विकास निगम लिमिटेड, औद्योगिक विकास निगम, द प्रोवीडेंट इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड, मप्र पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम भी कैग की कलम के निशाने पर है।

आर्थिक अनियमितताओं की अंधेरनगरी

पटवारी ने लिखा कि कैग ने मप्र आदिवासी वित्त विकास निगम, मप्र वेंचर फाइनेंस लिमिटेड, मप्र वेंचर फाइनेंस ट्रस्टी लिमिटेड, मप्र पंचायती राज वित्त एवं ग्रामीण विकास निगम लिमिटेड, मप्र फिल्म विकास निगम, ऑप्टेल टेलीकम्युनिकेशन लिमिटेड, मप्र विद्युत संयंत्र लिमिटेड को लेकर भी इसी प्रकार की टिप्पणी की है। कैग रिपोर्ट के जरिए सामने आया तथ्यात्मक सच सवाल पूछ रहा है कि ऑडिट क्यों नहीं हुआ। क्या यहां भी आर्थिक अनियमितताओं की अंधेरनगरी बसी हुई है, जिसको लेकर मुखियामौन है। कर्ज लेकर घाटे के ऐसे लग्जरी एक्सपेरिमेंट क्यों किया जा रहे हैं। सरकार की अनुमति से हो रहे इस घृत-स्नान की सीधे तौर पर जिम्मेदारी भी तो सरकार की ही है। यह सरकार की समीक्षा के दायरे में कब आएंगे।

कुलगुरु की आपत्ति पर निर्णय

यूजीसी के डिफॉल्टरों की सूची से हटाया माखनलाल विवि का नाम

सिटी चीफ भोपाल।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने लोकपाल की नियुक्ति न करने पर देश के डिफॉल्टर विश्वविद्यालयों की सूची से माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय का नाम हटा लिया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने लोकपाल की नियुक्ति न करने पर एमसीयू का नाम डिफॉल्टर विश्वविद्यालय की सूची में शामिल कर लिया था। जबकि एमसीयू के कुलगुरु डॉ. केजी सुरेश के प्रयासों से विश्वविद्यालय द्वारा 7 जून को ही पूर्व सेवानिवृत प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश सुनरया की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए गए थे। जिसके बाद कि एमसीयू के कुलगुरु ने इस विषय में गहरी आपत्ति दर्ज कराते हुए यूजीसी को पत्र लिखा था। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने कदम उठाते हुए नई अपडेटेड सूची जारी कि जिसमें एमसीयू का नाम डिफॉल्टर विश्वविद्यालय की सूची से हटा दिया है।

संवादहीनता की वजह से हुई गलतफहमी

इस बारे में प्रो. सुरेश ने यूजीसी को धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने आभार प्रकट करते हुए कहा कि संवादहीनता की वजह से कुछ गलतफहमी हो गई थी, जिसे यूजीसी ने सुधार लिया है। प्रो. सुरेश ने कहा कि लोकपाल की नियुक्ति संबंधी प्रक्रिया के बीच लोकसभा चुनाव के कारण आचार संहिता लग गई थी। इसके हटने के तत्काल बाद 7 जून को लोकपाल की नियुक्ति के आदेश एमसीयू प्रशासन द्वारा जारी कर दिए गए थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूजीसी के सभी नियमों का सुचारु रूप से पालन करता है एवं शीघ्रता के साथ लागू भी करता है।

कुलगुरु प्रो. सुरेश ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भी एमसीयू द्वारा तीन साल पहले ही लागू किया जा चुका है। जबकि कई विश्वविद्यालयों में अभी तक इसे लागू नहीं किया गया है। लेकिन एमसीयू हर विषय में गंभीरता दिखाते हुए बहुत शीघ्रता के साथ निर्णय लेता है।

भोपाल सहित 25 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

मध्य प्रदेश के कई जिलों में झमाझम बारिश का दौर लगातार जारी है। एमपी में मॉनसून के दस्तक देने के साथ ही मौसम पर बड़ा अपडेट सामने आया है। मौसम विभाग ने मध्यम से लेकर भारी बारिश पर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद मोहन यादव सरकार भी अलर्ट मोड पर आ गई है।

मौसम के विभाग ने बारिश पर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के पूवार्नुमान की बात मानें तो एमपी की राजधानी भोपाल, नर्मदापुरम, जबलपुर, ग्वालियर आदि संभावों के 25 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, मॉनसून के पूरी तरह से एक्टिव होने की वजह से प्रदेशभर में बारिश का दौर जारी रहेगा। इसके अलावा, अशोकनगर, छिंडवाड़ा, अशोकनगर आदि जिलों में भी बारिश का दौर जारी रहेगा।

सिवनी में सबसे अधिक 61 6 मिमी बारिश

मौसम वज्ञिान केन्द्र भोपाल के वैज्ञानिकों के अनुसार पिछले चौबीस घंटों के दौरान सर्वाधिक वर्षा सिवनी में हुयी, वहां 61 6 मिमी वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार सतना में 44. 4 मिमी, खजुराहो में 40.6 मिमी, नर्मदापुरम में 25.7 मिमी, गुना में 21. 2 मिमी, रायसेन में 21 मिमी, ग्वालियर में 20.8 मिमी, उमरिया में 19. 2 मिमी, जबलपुर में 16.2 मिमी, खरगोन में 14.8 मिमी वर्षा दर्ज की गयी है। इसी प्रकार राजधानी में 6 मिमी, खंडवा में 3 मिमी के अलावा अन्य स्थानों पर वर्षा दर्ज की गयी है। राजधानी भोपाल में कल दिन भर उमस के बाद रात में अचानक मौसम बदला और आसमान में घने बादल छा गए। और देर रात्रि बारिश का सिलसिला शुरू हुआ और सुबह तक जारी रहा। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि अलग-अलग मौसम प्रणालियों के बने होने के चलते प्रदेश में यह बारिश का क्रम जारी है और मंगलवार को भी कई स्थानों पर बारिश की संभावना जताई गई है।

नदियों के आसपास नहीं जाने की अपील

मध्य प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर लगातार जारी। बारिश की वजह से कई नदियां और नाले उफान पर हैं। प्रशासन की ओर से लोगों से अपील की गई है वे तटीय इलाकों सहित नदियों के आसपास न जाएं। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद प्रशासन भी अलर्ट मोड पर आ गया है।

बरसात के बाद जलभराव से बढ़ी परेशानी

बरसात के बाद लागों को कई परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। बारिश के बाद कई शहरों की कॉलोनियों में घरों और दुकानों के अंदर बरसाती पानी घुस गया था। जबकि, बरसात के बाद सड़कों पर जलभराव की वजह से लोगों को ट्रैफिक जाम का भी सामना करना पड़ा।

अनूपपुर, पन्ना और सिंगरौली में वायु प्रदूषण में आई तेजी से कमी

बारिश से सुधरी प्रदेश के शहरों की हवा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मानसून सीजन में लगातार हो रही वर्षा की वजह से प्रदेश की वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार नजर आ रहा है। अनूपपुर, पन्ना और सिंगरौली में वायु प्रदूषण में तेजी से कमी आई है और सूचकांक में सुधार हुआ है। रविवार को अनूपपुर और पन्ना को अच्छी श्रेणी में रखा गया। एक महीने पहले जब बारिश नहीं हुई थी और मौसम गर्म था, तब की तुलना में प्रदेश के शहरों की वायु गुणवत्ता में दोगुने से अधिक सुधार हुआ है।

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, पिछले 24 घंटे के आंकड़ों पर नजर डालें तो अनूपपुर का एक्यूआइ 32, भोपाल का एक्यूआई 69, देवास का 67, ग्वालियर का 48, इंदौर का 40, जबलपुर का 50, कटनी का 41, खंडवा का 92, खरगोन का 66, मैहर का 49, मंडीदीप का 52, नरसिंहगढ़ का 43, पन्ना का 32, पीथमपुर का 86, रतलाम का 100, सागर का 64, सिंगरौली का 32 और उज्जैन का एक्यूआइ 87 दर्ज किया गया है।

पर्यावरणविद् सुभाष सी पाण्डेय ने बताया कि मानसून में वर्षा होने से धूल के कण पीएम 2.5, पीएम 10 जैसे पार्टीकल नीचे बैठ जाते हैं। सड़कें गीले होने से वाहनों के चलने से उड़ने वाली धूल में भी कमी आती है। इन सब कारणों से वायु गुणवत्ता बेहतर होती है। हवा में धूल के कण में कमी होने से वायु गुणवत्ता सुधरी है। जैसे-जैसे वर्षा होगी, वैसे-वैसे वायु प्रदूषण अच्छी श्रेणी की तरफ बढ़ता जाएगा।

100 से नीचे अच्छी मानी जाती है वायु गुणवत्ता

वायु गुणवत्ता सूचकांक के अनुसार, 100 से नीचे एक्यूआइ होने पर गुणवत्ता अच्छी मानी जाती है। सामान्यत: शहर में एक्यूआइ 150 के आसपास रहता है, जो मध्यम रहती है। वर्तमान में इसका 70 से नीचे आ जाना अच्छा संकेत है।

संगठन को मजबूत बनाने के लिए बड़े नेताओं ने दिया सुझाव

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में प्रदेश के बड़े नेताओं ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए सुझाव दिए। हार के कारणों पर भी चर्चा की गई। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय, सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, कांतिलाल भूरिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल, डॉ. गोविंद सिंह, सीडब्लूसी मेंबर कमलेश्वर पटेल, ओमकार मरकाम, मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक सहित अन्य

नेताओं की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बैठक चल रही है। बैठक में सभी वरिष्ठ नेताओं सहित समिति के सदस्य उपस्थित है। बैठक को जितेन्द्र सिंह एवं जीतू पटवारी ने संबोधित किया, उसके बाद समूहवार बैठकों का दौर चल रहा है।

सुसाइड नोट में युवती को ठहराया जिम्मेदार

प्रेमिका की शादी से एक दिन पहले युवक ने दी जान

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी के हबीबगंज शिवाजी नगर में रहने वाले एक 24 वर्षीय युवक ने सोमवार को फांसी लगाकर जान दे दी। उसकी प्रेमिका की एक दिन बाद यानी मंगलवार को शादी है। परिजन ने उसे सोमवार सुबह साढ़े 7 बजे फांसी के फंदे पर लटका देखा।

वह उसे फंदे से उतारकर पास के अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की शुरूआती जांच और स्वजनों के बयानों में सामने आया है कि वह एक लड़की से प्रेम करता था और उसकी मंगलवार को शादी होना था। इस कारण

से युवक तनाव में था। पुलिस को उसके मोबाइल से एक सुसाइड नोट संदेश भी मिला, जिसे उसने अपनी प्रेमिका का भेजा था, जिसमें उसने लिखा कि शुक्रिया, एक मां से उसका बेटा छीनने के लिए। मेरी मौत की जिम्मेदार सिर्फ तुम हो। मैं तुमसे सच्चा प्यार करता था, तुम मेरे साथ टाइम पास करती रही।

भाई बोला, प्रेम प्रसंग के कारण था परेशान

मृतक के बड़े भाई विशाल नायक का कहना है कि परिवार में मां, मुझसे बड़ा भाई गणेश और भाभी, विक्की और मैं हम साथ रहते थे। विक्की गाड़ी चलाता था। हम दोनों भाई भी प्राइवेट काम करते हैं। वह एक लड़की से बेहद प्रेम करता था। उसकी शादी तय हो गई थी, लेकिन वह विक्की को फोन कर साथ ले जाने की बात कह रही थी। इससे वह परेशान था।

सम्पादकीय

क्यों कुछ घंटों की बारिश में ही डूबने लगती है मुंबई?

क्या वजह है जो देश की आर्थिक राजधानी कहलाता मुंबई हर बारिश पानी में डूब जाता है, वो भी कुछ घंटों की बारिश में? इसके पीछे अतिक्रमण या शहर की बसाहट कम, बल्कि कुदरती स्ट्रक्चर ज्यादा जिम्मेदार है। इससे बचने के लिए लगातार प्लानिंग हो रही है।

मुंबई में बारिश ने आफत मचाई हुई है। जलभराव की वजह से लोकल ट्रेनें तो कैंसल हुई हीं, कई विमान सेवाओं के लिए भी एडवायजरी जारी कर दी गई है। इस बीच मौसम विभाग चेता रहा है कि शहर को फिलहाल इससे राहत मिलने वाली नहीं, लेकिन क्या वजह है जो देश की आर्थिक राजधानी कहलाता मुंबई हर बारिश पानी में डूब जाता है, वो भी कुछ घंटों की बारिश में? इसके पीछे अतिक्रमण या शहर की बसाहट कम, बल्कि कुदरती स्ट्रक्चर ज्यादा जिम्मेदार है।

इससे बचने के लिए लगातार प्लानिंग हो रही है। यहां तक कि महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन ने जापानी कंपनी द जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी के साथ मिलकर अंडरग्राउंड रिवर प्रोजेक्ट पर काम की बात की। इसमें नदियों से जोड़कर ऐसा सिस्टम बनाया जाएगा कि ओवरफ्लो होने पर पानी दूसरी जगह जमा हो जाए और बाद में काम आ सके। यह शहर केवल अरब सागर से ही घिरा हुआ नहीं, बल्कि यहां चार-चार नदियां भी हैं- मीठी, दहिसर, ओशिवारा और पोयसर। नदियों के अलावा यहां चार क्रीक हैं। ये सब मिलकर लगभग 21 मिलियन की आबादी वाले शहर को मानसून के मौसम में काफी खतरनाक बना देते हैं। मसलन, मीठी नदी की बात करें तो पूरे मुंबई को घेरती इस नदी की ज्यादातर जगहों पर चौड़ाई केवल 10 मीटर है। ऐसे में थोड़ी बारिश में ही पानी ओवरफ्लो का खतरा रहता है। आसपास घनी बसाहट है, जिसपर तुरंत इसका असर होगा।

समंदर किनारे बसा यह शहर कई जगहों पर काफी नीचे बसा हुआ है, जबकि कई जगहें काफी ऊंचाई पर हैं। बता दें कि मुंबई सात द्वीपों के मिलने से बना हुआ है, ऐसे में उसका आकार देश के ज्यादातर शहरों से काफी अलग, कुछ-कुछ तलेदार प्लेट की तरह है। बारिश शुरू होते ही पानी अपने-आप नीचे की तरफ आकर जमा होने लगता है। ऐसे कुछ इलाके हैं- सायन, अंधेरी सबवे, मिलान सबवे और खार। ये हिस्से कुछ घंटों के पानी से भी डूबने लगते हैं।

शहर का ड्रेनेज सिस्टम इस तरह का है कि पानी समंदर में खाली होता जाए, लेकिन भारी बारिश के दौरान जब समुद्र का स्तर बढ़ता है, ड्रेन्स के गेट बंद कर दिए जाते हैं ताकि पानी वापस शहर में लौटकर तबाही न मचा दे। भारी बारिश के दौरान ऊंची लहरें बचेखुचे ड्रेनेज सिस्टम को भी रोक देती हैं। इस सिस्टम के दोबारा काम पर लौटने में पानी घटने के बाद लगभग 6 घंटे लग जाते हैं। इस दौरान पानी भरा ही रहता है।

भारत समेत दुनिया के ज्यादातर शहरों में बारिश होने पर आधे से ज्यादा पानी जमीन में समा जाता है। वहीं मुंबई में लगभग 90 प्रतिशत पानी ड्रेन्स के जरिये निकलता है। इससे भी ड्रेनेज पर काफी बोझ रहता है।

आर्थिक राजधानी होने की वजह से यहां देश के कोने-कोने से लोग आते रहते हैं। इतने लोगों के रहने के लिए वैसी प्लानिंग नहीं है। बड़ी आबादी निचले हिस्सों में बसी हुई है, जो पानी के लिए संवेदनशील हैं। यहां पर पानी के बाहर निकलने या जमीन में जाने की वैसी व्यवस्था नहीं है। यही वजह है हल्की बारिश में भी कई इलाकों में पानी भर जाता है। पिछले कुछ समय से मुंबई में जापान की मदद से अंडरग्राउंड डिस्चार्ज चैनल की बात हो रही है। यह प्रोजेक्ट जापान ने अपने शहर टोक्यो में भी तैयार किया है। असल में टोक्यो में साढ़े 3 करोड़ से ज्यादा आबादी हमेशा बाढ़ के खतरे में जीती आई है। जापान के मौसम विभाग की मानें तो यह शहर समुद्र तल से नीचे जा चुका है। अपने लोगों और इन्फ्रा को बचाने के लिए जापान ने अंडरग्राउंड चैनल बनाया। बाढ़ का पानी या अतिरिक्त पानी इस चैनल में गिरता है, जहां से पंप के जरिये उसे वहां की ईडो नदी में छोड़ा जाता है। मुंबई को स्पंज सिटी की तरह डेवलप करने की भी बात हो रही है। स्पंज सिटी वो कंसेप्ट है, जिसमें शहर स्पंज की तरह काम करे यानी पानी डलते ही अंदर सोख लिया जाए। इसके तहत शहर को ऐसे डिजाइन किया जाएगा कि पानी तुरंत ही जमीन में चला जाए और ड्रेनेज पर भार न पड़े। इसमें ग्रीन स्पेस बढ़ाया जाएगा।

आखिरी बार कोई किताब पूरी कब पढ़ी थी

आपको याद है कि आखिरी बार आपने कोई किताब पूरी कब पढ़ी थी, या अपने किसी मित्र के लिए पत्र कब लिखा था? आप में से कई लोगों के लिए यह अंतराल हफ्ते, महीने और कुछ के लिए साल भी हो सकता है। आज के डिजिटल युग में हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर तकनीक ने खासा प्रभाव डाला है। इस बदलती दुनिया में हम स्मार्टफोन, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे तमाम इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से घिर गए हैं। चैटिंग एप्स पर कुछ लिखने के बजाय वॉयस नोट्स भेजे रहे हैं। वीडियो की बाढ़ आई हुई है। बदलते दौर में विजुअल मीडिया का बोलबाला है। ओटीटी पर बिंज वॉचिंग (किसी लंबे वीडियो को बगैर रुके पूरा देखना) से लेकर सोशल मीडिया साइट्स पर अनगिनत रील स्क्रॉल करने तक, विजुअल मीडिया हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हो चला है। इसने शोधकर्ताओं को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या हम पढ़ने के दौर से आगे निकल जाने वाले हैं! हाल ही में मार्केटिंग फर्म इन-मोबी की मोबाइल मार्केटिंग हैंडबुक-2024 की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि एक औसत भारतीय चार घंटे से अधिक समय रोजाना स्मार्टफोन पर बिताता है, जो वैश्विक औसत से लगभग एक घंटे ज्यादा है। इस बढ़ते स्क्रीन टाइम और वीडियो कंटेंट के बढ़ते उपभोग से हमारे दिमाग पर संज्ञानात्मात्क प्रभाव पड़ा है। इससे न केवल हमारे दिमागी कौशल, बल्कि पढ़ने-लिखने की आदतें बदलने के साथ ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कम हो रही है। स्मार्टफोन और स्ट्रीमिंग साइट्स जैसे प्लेटफार्म्स से हमारी किसी चीज को गौर से समझने की अवधि कम हो गई है।

माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन के एक अध्ययन के अनुसार, लोग आम तौर पर आठ सेकंड के बाद एकाग्रता खो देते हैं, जो डिजिटल होती जीवन-शैली के प्रभावों को उजागर करता है। शोध में कहा गया कि मनुष्यों की ध्यान अवधि एक गोल्ड फिश से भी कम हो गई है। अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर डॉ. ग्लोरिया मार्क का कहना है कि शॉर्ट वीडियोज एप ने ध्यान अवधि में होने वाली गिरावट में अहम भूमिका निभाई है, वहीं लंबे समय तक वीडियो देखने और स्क्रीन टाइम बढ़ने से हमारी एकाग्रता और स्मृति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

इसके कारण लोगों की रुचि पढ़ने से ज्यादा देखने-सुनने की ओर बढ़ रही है। यह बदलाव सामाजिक, तकनीकी व मनोवैज्ञानिक कारणों से हो रहा है। रॉयटर्स की डिजिटल रिपोर्ट के मुताबिक, 71 फीसदी भारतीय ऑनलाइन समाचार देखते?हैं व?29 प्रतिशत अखबार पढ़ते हैं। युवा?ई-बुक्स व ऑडियोबुक को प्रकाशित किताबों की तुलना में अधिक पसंद कर रहे हैं। इसका एक कारण है कि ई-बुक और ऑडियोबुक, प्रिंटेड किताबों की तुलना में कम खर्चीले होते हैं। उन्हें कहीं भी पढ़ा और सुना जा सकता है। कोविड महामारी के बाद भारत में भी ई-बुक्स और ऑडियोबुक का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। स्टेस्टिका की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ता की संख्या 100 करोड़ के पार पहुंच गई है, जिनमें 90 प्रतिशत उपयोगकर्ता वीडियो देखते हैं। इस तकनीकी दुनिया में शैक्षिक पढ़ाई के तरीके भी बदलते जा रहे हैं, किताबों और लेखों की जगह अब वीडियो

आज 149 साल का हो गया बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज

आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) 149 साल का गया है। 9 जुलाई 1875 में बीएसई की स्थापना हुई थी। यह एशिया का पहला और सबसे तेज स्टॉक एक्सचेंज है।
भारत का स्टॉक एक्सचेंज आज दुनिया के सबसे बड़े शेयर मार्केट्स में शुमार है। इसका श्रेय देश के सबसे पुराने स्टॉक एक्सचेंज, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को जाता है।

आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) 149 साल का गया है। 9 जुलाई 1875 में बीएसई की स्थापना हुई थी। यह एशिया का पहला और सबसे तेज स्टॉक एक्सचेंज है।

भारत का स्टॉक एक्सचेंज आज दुनिया के सबसे बड़े शेयर मार्केट्स में शुमार है। इसका श्रेय देश के सबसे पुराने स्टॉक एक्सचेंज, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को जाता है। भारत के शेयर मार्केट में दो तरह के इंडेक्स होते हैं. बीएसई सेंसेक्स जिसमें टॉप 30 कंपनियां शामिल हैं, जबकि निफ्टी में 50 कंपनियां हैंष माना जाता है कि बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की शुरुआत साल 1850 में एक बरगद के पेड़ के नीचे हुई थी। चार गुजराती और एक पारसी कारोबारी इस पेड़ के नीचे बैठक करते थे। धीरे-धीरे दूसरे लोग भी इससे जुड़ते गए और कारवां बढ़ता गया।

मुंबई के चर्चगेट इलाके में हार्निमन सर्किल के टाउनहॉल के पास स्थित इस पेड़ के पास ब्रोकर मिलते थे और शेयर बेचा करते थे। जब खरीदारों की संख्या बढ़ने लगी तो साल 1855 में एक ऑफिस खरीदा गया जिसे आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज यानी बीएसई के नाम से जाना जाता है। धीरे-धीरे दलाल बंबई के मेडोज स्ट्रीट और एमजी रोड पर जुटते चले गए और यह सड़क दलाल स्ट्रीट के नाम से मशहूर हो गई। साल 9 जुलाई 1875 में द नेटिव शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स एसोशिएशन की स्थापना हुई। आधिकारिक तौर पर इसे ही शेयर बाजार की शुरुआत माना जाता है। कहा जाता है कि तब 318 लोगों ने एक रुपये की एंट्री फीस लेकर इस एसोसिएशन का गठन किया था और यह एशिया का पहला शेयर बाजार था। बीएसई का जनक बॉम्बे के कॉटन किंग के नाम से लोकप्रिय कारोबारी प्रेमचंद रायचंद जैन को माना जाता है।

1860 के दशक में मंबई में करीब 250 शेयर दलाल हो चुके थे, लेकिन 1865 के अमेरिकी गृहयुद्ध के बाद भारत में आने वाले पूंजी के प्रवाह में कमी आई, दलालों का कामकाज पूरी तरह से ठप्प हो गया। शेयरों के भाव औंधे मुंह गिरे। इन वजहों से शेयर दलालों ने अपनी एसोसिएशन बनाना तय किया और 1868 से 1873 तक एक गैर औपचारिक एसोसिएशन की रचना की। 1874 में उन्हें एक निश्चित जगह भी नियत कर दी जिसे आज दलाल स्ट्रीट कहा जाता है।

जुलाई 1875 में 318 लोगों ने एक रुपये प्रवेश शुल्क के साथ शेयर बाजार मुंबई की संस्था गठित की और द नेटिव एंड स्टॉक ब्रोकर्स एसोसिएशन का औपचारिक जन्म हुआ। इसके बाद एसोसिएशन ने शेयर खरीद फरोख्त के लिए एक इमारत के निर्माण के साथ दलालों के हितों की रक्षा के लिए काम करना भी शुरू किया। 1887 में इस दिशा में काम आगे बढ़ता दिखने लगा जो आज के बंबई स्टॉक एक्सचेंज की नींव बना।

आजादी के बाद 1956 में सिक्योरिटी कॉन्ट्रैक्ट रेग्युलेशन एक्ट के जरिए बीएसई भारत सरकार द्वारा अधीकृत पहला स्टॉक एक्सचेंज बना। बीएसई सेंसेक्स यानि सूचकांक का विकास 1986 में हुआ जो बीएसई के कामकाज के प्रदर्शन का एक उपकरण माना गया। इसके बाद 1990 के दशक के में कम्प्यूटर और बड़े शेयर बाजार घोटालों को कारण इसने नियामन नियमों में बदालव के साथ स्टॉक एक्सचेंज का विस्तार हुआ।

सेंसेक्स, यानी देश की 30 चुनिंदा कंपनियों के शेयरों से बने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के संवेदनशील सूचकांक ने पिछले हफ्ते 80,000 का आंकड़ा पार कर लिया। सेंसेक्स की शुरुआत 1986 में करीब 550 के स्तर पर हुई थी, लेकिन तब इसका आधार, यानी शुरुआती मूल्य 1979 में सौ मानकर हिसाब लगाना शुरू किया गया था। मतलब यह कि अगर किसी ने 1979 में सेंसेक्स में सौ रुपये लगाए होते, तो बीते शुक्रवार को दोपहर तक उसके खाते में अस्सी हजार रुपये होते। हालांकि, बाजार बंद होते-होते यह 80,000 से कुछ नीचे खिसक गया, फिर भी 45 साल में सौ का अस्सी हजार होने का अर्थ है, आठ सौ गुना की उछाल।

यह सफर बहुत आसान नहीं रहा है। सेंसेक्स ने पहली बार 1,000 का आंकड़ा पार किया जुलाई 1990 में, यानी शुरू होने के करीब चार साल बाद, पर उसके बाद अचानक तेजी का तूफान आया और अप्रैल 1992 तक यह 4,474 पर पहुंच गया। यह हर्षद मेहता का दौर था। घोटाला खुलते ही बाजार को तगड़ा झटका लगा और वह गिरकर लगभग आधा रह गया। मगर धीरे-धीरे फिर संभला और 1994 तक यह फिर नई ऊंचाई की तरफ बढ़ने लगा। साल 1999 में यह पांच हजार का शिखर छूने में कामयाब हुआ। वहां से अगले पांच हजार का सफर तय होने में फिर करीब छह साल लगे और यह पूरा हुआ फरवरी 2006 में, जब सेंसेक्स दस हजार के पार पहुंचा। मगर उसके बाद 11, 12, और 13 हजार के पड़ाव उसी साल पार हो गए और अगले साल, यानी 2007 में इसने एक साथ 15 हजार और 20 हजार के नए शिखर बना लिए।

साल 2008 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा संकट व मंदी का असर भारत पर भी पड़ा और आगे के एक हजार पॉइंट का सफर तय करने में तीन साल से ज्यादा का वक्त निकल गया। और फिर, 2010 से 2014 तक सेंसेक्स 22,000 पर पहुंच पाया। उसी साल इसने 28,000 तक की छलांग भी लगाई। और थोड़ा ऊंच-नीच के साथ कोरोना से पहले यानी, जून 2019 में यह 40 हजार पार कर गया। कोरोना का झटका जरूर लगा, मगर बाजार जल्द ही उससे भी उबर गया और दिसंबर 2020 तक सेंसेक्स 45 हजार, फरवरी 21 तक 50 हजार और सितंबर तक 60 हजार भी पार कर गया। यहां से आगे की कहानी तो बिल्कुल साफ है।

सवाल है कि सेंसेक्स की यह तेजी क्या भारत की आर्थिक तरक्की का हाल बयान कर रही है? या फिर अदम गोंडवी की तर्ज पर कहें कि- तुम्हारी फाइलों में गांव का मौसम गुलाबी है, मगर ये आंकड़े झूठे हैं ये दावा किताबी है? सवाल गंभीर भी है और जरूरी भी। शेयर बाजार और कारोबार से जुड़े लोग लंबे समय से सेंसेक्स को भारतीय अर्थव्यवस्था का बैरोमीटर मानते रहे हैं। दूसरी तरफ, शेयर बाजार को जुए का अड्डा मानने वाले लोग भी कम नहीं हैं और वे कहते हैं, इस तरह के आंकड़े देश की अर्थव्यवस्था की सही तस्वीर नहीं दिखा सकते, बल्कि इसके उलट यह गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई जैसी समस्याओं से ध्यान भटकाने का काम करते हैं। लंबे समय तक यह बात सही भी लगती थी, क्योंकि शेयर बाजार चंद अमीर लोगों या उनके साथ जुड़े निहित स्वार्थों के क्लब की ही तरह चला करता था। मगर 1999 में नेशनल सिक्यूरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड, यानी एनएसडीएल की शुरूआत हुई और कुछ साल बाद शेयर बाजार में लेन-देन के लिए डीमैट अकाउंट जरूरी हो गया। अब डीमैट अकाउंट धारकों की गिनती से मोटा हिसाब लग सकता है कि शेयर बाजार से कितने लोग जुड़े हुए हैं। 2007 की एक रिपोर्ट बताती है कि उस साल सितंबर तक एनएसडीएल के पास कुल 65.7 लाख और दूसरी डिपॉजिटरी सीडीएसएल के पास 35 लाख डीमैट अकाउंट थे। म्यूचुअल फंड के रास्ते जाने वालों की गिनती का हाल कुछ बेहतर था। 31 मार्च, 2009 को भारत में करीब पौने चार करोड़ म्यूचुअल फंड फोलियो यानी खाते खुले हुए थे। हालांकि, कुल कितने निवेशक हैं, यह हिसाब लगाना मुश्किल है, क्योंकि इनमें रिटेल, एचएनआई वगैरह के अलावा कंपनियों व ट्रस्ट वगैरह के खाते भी हैं और फिर एक आदमी के पास अलग-अलग म्यूचुअल फंड में एक से ज्यादा फोलियो भी हो सकते हैं।

कुल मिलाकर यह कहने के लिए पर्याप्त आधार मौजूद था कि शेयर बाजार अब भी इस देश की आबादी के बड़े हिस्से से काफी दूर है, लेकिन तब से अब तक हालात भी काफी बदल चुके हैं। अभी जो ताजा आंकड़े आए हैं, उनके हिसाब से सिर्फ जून के महीने में देश में 42 लाख नए डीमैट अकाउंट खुले हैं और कुल मिलाकर 16 करोड़ अकाउंट खुल चुके हैं। यानी, अब देश की आबादी का दस फीसदी से ज्यादा हिस्सा शेयर बाजार से जुड़ चुका है। हालांकि, यह खुश होने का वक्त भी नहीं है। पिछले साल अक्टूबर में एक आंकड़ा आया था कि जहां देश में कुल आठ करोड़ लोग शेयर बाजार से जुड़े हैं और सिर्फ साढ़े तीन करोड़ लोग म्यूचुअल फंड में पैसा डाल रहे हैं, वहीं फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्मों के पास 28 करोड़ लोग पहुंच चुके हैं, 40 करोड़ लोग सोशल मीडिया इस्तेमाल कर रहे हैं, 50 करोड़ लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म के दर्शक बन गए हैं, 65 करोड़ लोगों के पास स्मार्टफोन और 114 करोड़ लोगों के पास मोबाइल फोन हैं। जाहिर है, पूंजी बाजार को अभी लंबा सफर तय करना है।

अभी एनसीएईआर की एक रिपोर्ट भी आई है, जिसके हिसाब से देश की गरीबी 2011-12 के 21 फीसदी से गिरकर 8.5 प्रतिशत पर पहुंच चुकी है। हालांकि, इस आंकड़े पर अभी बहुत विवाद हो सकते हैं, पर शेयर बाजार और म्यूचुअल फंडों में ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी एक बात तो सुनिश्चित करती है कि अगर देश के बड़े कारोबारी, बड़ी कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं और मोटा मुनाफा कमा रही हैं, तो आम आदमी के पास भी यह रास्ता है कि अपनी बचत का पैसा इन्हीं कारोबारों में लगाकर उस मुनाफे में हिस्सेदार बने। अच्छी बात यह है कि पिछले चार-पांच साल में जो नए लोग शेयर बाजार में आए हैं, उनमें से ज्यादातर दिग्गज निवेशकों की सलाह पर या उनके अंदाज में लंबे समय तक इंतजार व धैर्य के साथ यहां टिके रहने के इरादे से आए हैं। इससे उनको तो कमाई का मौका मिल ही रहा है, भारत के शेयर बाजार और भारत की अर्थव्यवस्था को भी बड़ा हौसला मिल रहा है, क्योंकि अब वह बड़े विदेशी निवेशकों की नजरें इनायत का मोहताज नहीं रह गया है।

जब सांसद अपनी मर्यादा भूलने लगें...तो क्यों न संसदीय बहसों को संपादित करके प्रसारित किया जाए

हाल की कुछ घटनाओं के चलते संसदीय कार्यवाही के लाइव टीवी प्रसारण पर सवाल उठने लगे हैं। संसदीय लोकतंत्र की गरिमा को बचाए-बनाए रखने वाले तबके में इसकी मांग उठने लगी है। इस वर्ग का मानना है कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो संसद की गरिमा घटेगी। अपने आचरण के चलते सांसदों का एक वर्ग लोगों की नजर में अपनी प्रतिष्ठा तो खो ही चुका है। लाइव प्रसारण के जरिये उनके मुखारविंद से जो शब्द संसद में झड़ रहे हैं, उससे स्थितियां उलझी हैं। इसे बिडबंना कहें या उलटबांसी कि जिस ब्रिटेन के हम करीब दो सौ साल तक गुलाम रहे, हमारा संसदीय लोकतंत्र भी उसी ब्रिटिश शासन प्रणाली की तरह है। वैसे शासन प्रणाली जो भी हो, अगर उसे अपना लिया, तो उसकी उच्च परंपराएं, उसकी गरिमा और मर्यादा को भी स्वीकार करना होगा। पूर्व उपप्रधानमंत्री देवीलाल कहा करते थे कि लोकतंत्र लोकलाज से चलता है। यानी महान परंपराओं और गरिमा को स्वीकार किए बिना कोई भी शासन सफल नहीं हो सकता। अगर लोक का भरोसा शासन प्रणाली से खत्म हो गया, तो उस प्रणाली पर सवालिया निशानों की झड़ी लग जाती है। ब्रिटिश संसद में एक परंपरा है कि संसदीय कार्यवाही से हटाए गए शब्दों को न तो कभी उद्धृत किया जा सकता है और न ही उसे रिपोर्ट किया जा सकता है। जाहिर है कि हटाए गए शब्द अमर्यादित, तथ्यहीन और गरिमा के विरुद्ध होते हैं। जब तक टेलीविजन नहीं था, पत्रकारों को संसदीय इम्बार्गो और कार्यवाही की रिपोर्टिंग के मायने गहराई से समझाए जाते थे। संसद या किसी संसदीय समिति के बयान की जानकारी होने के बावजूद उसे तब तक सार्वजनिक नहीं किया जा सकता था, जब तक कि संसद या संसदीय समिति द्वारा तय की गई समय सीमा खत्म न होती थी। मियाद पूरी होने के बाद ही वह अखबार में छपता था। अखबारों के रिपोर्टर संसद की रिपोर्टिंग करते हुए सांसदों की उन बातों को भी सुनते ही थे, जिन्हें कार्यवाही से हटा दिया जाता था। लेकिन उनका उल्लेख वे अपनी रिपोर्टों में नहीं करते थे। इसका उद्देश्य था कि लोगों तक वही बातें पहुंचे, जो मर्यादित एवं तथ्यात्मक रूप से ठीक हों। लाइव प्रसारण के चलते अब जनता तक वे सारी बातें भी पहुंच रही हैं, जो तथ्यहीन हैं, और जिन्हें संसदीय कार्यवाही से निकाल दिया जा रहा है। उदाहरण के लिए, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी के भाषण को रखा जा सकता है। उन्होंने अग्निवीर, फसलों पर एमएसपी आदि पर तथ्यहीन बातें कीं। चूंकि लाइव प्रसारण के कारण उन्हें संसद के लाइव प्रसारण देखने वाले सभी लोगों ने देखा और सुना। इसके बाद भले ही उनकी बातों को कार्यवाही से हटा दिया गया हो, लेकिन जनता के बीच संदेश तो पहुंच ही गया। इसी तरह राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को पदेन सभापति जगदीप धनखड़ ने कई बार टोका, लेकिन नहीं मानने पर उनके भाषण के हिस्सों को एक्सपंज किया जाता रहा। यह कोई पहला मौका नहीं था, जब लाइव प्रसारण के दौरान सांसदों के ऐसे कई बयान देखे-सुने गए। अब ऐसे वाकये अक्सर होने लगे हैं। दिलचस्प है कि जब सांसदों को रोका जाता है, तो वे इसे अपने प्रति दुर्भावना बताते हैं। आरोप लगाते हैं कि उनका माइक बंद कर दिया गया। राहुल गांधी ने भी अपने भाषण से हटाए गए शब्दों को रखने की मांग की है। मौजूदा दौर में हर सांसद चाहता है कि वह संसद में जो भी बोले, उसका प्रसारण हो, ताकि उसके वोटरों के बीच यह संदेश जाए कि उसका सांसद दमदार है और जनता के मुद्दों को संसद में उठाता है।

संसद की कार्यवाही का पहला प्रसारण 20 दिसंबर, 1989 को दूरदर्शन पर शुरू हुआ, तो शुरू में चुनिंदा संसदीय कार्यवाही को ही टीवी पर दिखाया गया। लेकिन 18 अप्रैल 1994 से लोकसभा की पूरी कार्यवाही को फिल्माया जाने लगा। उसी साल अगस्त में, कार्यवाही का सीधा प्रसारण शुरू किया गया। तीन नवंबर, 2003 को डीडी न्यूज लॉन्च होने पर दोनों सदनों के प्रश्नकाल का प्रसारण डीडी चैनलों पर एक साथ होने लगा। संसदीय कार्यवाही के लाइव प्रसारण के इतिहास में दो घटनाएं बहुत याद की जाती हैं। जब अक्तूबर, 1990 में भाजपा द्वारा समर्थन वापसी के बाद वीपी सिंह सरकार अल्पमत में आ गई, तो उन्होंने संसद में विश्वास मत प्रस्तुत किया था। उस पर दो दिनों तक चली बहस का दूरदर्शन ने लाइव प्रसारण किया था। %अंतरात्मा की आवाज% पर वीपी सिंह का सांसदों से समर्थन मांगना बेहद चर्चित रहा। दूसरी घटना तेरह दिन की वाजपेयी सरकार के विश्वास मत पर हुई चर्चा से संबंधित है। विश्वास मत पर चर्चा का जवाब देते हुए वाजपेयी ने जो भाषण दिया, उसे उनके कालजयी भाषणों में से एक माना जाता है। इससे उनकी लोकप्रियता काफी बढ़ी। इसके बाद से ही संसदीय बहसों में शामिल होते ही सांसद लाइव प्रसारण में दिखने की इच्छा पालने लगे। साल 2004 में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की पहली सरकार आई। तब लोकसभा अध्यक्ष मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के सोमनाथ चटर्जी बने। उन्होंने संसदीय कार्यवाही के प्रसारण के लिए दो चैनलों का विचार दिया। दिसंबर, 2004 में दोनों सदनों की कार्यवाही के सीधे प्रसारण के लिए एक अलग समर्पित सैटेलाइट चैनल की स्थापना की गई। 2006 में लोकसभा टीवी ने निचले सदन की कार्यवाही का सीधा प्रसारण शुरू किया। लेकिन राज्यसभा टीवी की शुरुआत उस दौर के नेता प्रतिपक्ष और सभापति के बीच मतभेदों के चलते नहीं हो पाई। जब हामिद अंसारी उपराष्ट्रपति बने, तो 2011 में राज्यसभा टीवी के लिए अलग से चैनल की शुरुआत हुई। एक मार्च, 2021 को लोकसभा और राज्यसभा-दोनों चैनलों को एक करके संसद टीवी बना दिया गया। जब से संसद टीवी बना है, तब से कुछ ज्यादा ही विवाद उठ रहे हैं। लोकसभा टीवी अपने प्रसारण के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए लिखता है कि वह जीवंत लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं को निष्पक्ष प्रस्तुत करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन सवाल यह है कि क्या तथ्यों से रहित वक्तव्यों के प्रसारण को निष्पक्षता के दायरे में रखा जा सकता है! संसदीय बहसों के संदर्भ में मीडिया निरपेक्षता संभव नहीं है। ऐसे में क्यों न संसदीय बहसों की पहले रिकॉर्डिंग हो और फिर संसदीय मर्यादाओं के लिहाज से उन्हें संपादित करके प्रसारित किया जाए!

तृषा कृष्णन की आगामी वेब सीरीज बृंदा पर आई बड़ी जानकारी, इस दिन से होगा शो का प्रीमियर

तृषा कृष्णन दक्षिण भारतीय फिल्मों की एक जानी-मानी अभिनेत्री हैं। वह अक्सर तमिल,तेलुगु और मलयालम फिल्मों में नजर आती हैं। उन्हें तमिल फिल्म सामी, गिल्ली और तेलुगु फिल्म वर्षम से सफलता मिली थी। इसके बाद उन्होंने कई शानदार फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने साल 2010 में हिंदी फिल्म खट्टा मीठा से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हाल में ही वह फिल्म लियो में नजर आई थीं। अब वह जल्द ही ओटीटी डेब्यू करने वाली हैं। तृषा इन दिनों अपनी आगामी तेलुगु फिल्म विश्वम्भर की शूटिंग व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह सुपरस्टार चिरंजीवी के साथ नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह इन दिनों अपनी ओटीटी डेब्यू वेब सीरीज बृंदा को लेकर भी चर्चा में हैं। यह एक मनोरंजक थ्रिलर सीरीज है, जिसमें अभिनेत्री पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आने वाली हैं। उनके फैंस इस सीरीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। अब इस सीरीज को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है, जिसके बाद उनके फैंस की उत्सुकता और भी यादा बढ़ गई है। बात करें तृषा के वर्क फ्रंट की तो वह बृंदा के अलावा कई और फिल्मों में नजर आने वाली हैं। उनके पास इस वक्त कई भाषाओं में की कई फिल्में हैं। वह तमिल में विदा मुयार्ची और ठग लाइफ, तेलुगु में विश्वम्भरा और मलयालम में राम तथा आइडेंटिटी फिल्म पर काम कर रही हैं। इन सभी फिल्मों में उनकी बहुमुखी अभिनय क्षमता दर्शकों को देखने के लिए मिलने वाली है।

वड़ा पाव गर्ल से झगड़े के बाद शिवानी हुईं बेहोश, लोगों ने कहा-नौटंकी, पूछा-डॉक्टर कौन सी दवाई देता है

'बिग बॉस ओटीटी 3' में विवादों का सिलसिला शुरू हो चुका है। यह सीजन लगातार चर्चा में बना हुआ है। सोशल मीडिया पर घर के अंदर हो रही गतिविधियों पर जमकर बहस छिड़ी हुई है। मौजूदा समय में विशाल पांडे और अरमान मलिक का विवाद सुर्खियों में बना हुआ है। वहीं, अब शो में %वड़ा पाव गर्ल उर्फ चंद्रिका और शिवानी कुमारी के बीच एक नई तकरार देखने को मिल रही है, जिसके बाद दर्शक शिवानी को खूब ट्रोल कर रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 के एपिसोड में, शो के प्रतियोगियों ने एक अलग तरीके से नामांकन देखा। इस बार बिग बॉस ने प्रतियोगियों से अपने पसंदीदा सदस्य को बचाने के लिए कहा। यह इस प्रक्रिया में चंद्रिका दीक्षित द्वारा उनका नाम न लेने पर शिवानी कुमारी बहुत आहत हुई। वह चंद्रिका के सामने फूट-फूट कर रोती हुई देखी गई और उन्हें नकली भी कहा। इसके अलावा, जब चंद्रिका ने बाद में शिवानी से इसका सामना किया, तो वह फिर से फूट-फूट कर रोने लगी, इतना कि टकराव के बीच में वह अपने आंसुओं को रोक नहीं पाई और फिर बेहोश हो गई, जिसे देख घर के सभी प्रतियोगी एकदम से हैरान रह गए। जब शिवानी को मेडिकल रूम में ले जाया गया और फिर वापस लाया गया, तो साईं केतन राव को चंद्रिका दीक्षित और सना सुल्तान के साथ बातचीत में यही सवाल करते हुए देखा गया और यह सोचते हुए देखा गया कि डॉक्टर शिवानी को क्या दवा देते हैं कि वह बेहोश होने के तुरंत बाद ठीक हो जाती है। दूसरी ओर, विशाल और लवकेश शिवानी का बचाव करते नजर आए और उन्हें इस बात पर बुरा लगा कि उनकी मेडिकल स्थिति पर सवाल उठाया गया। हालांकि, सोशल मीडिया पर इस एपिसोड के टेलिकास्ट होने के बाद लोग शिवानी को जमकर ट्रोल कर रहे हैं और उनकी तुलना बिग बॉस 17 फेम आयशा खान से कर रहे हैं।

एक्शन-थ्रिलर सीरीज मिक्सचर के लिए हो जाइए तैयार, साथ नजर आएंगी अहाना कुमरा-अनुष्का रंजन की जोड़ी

बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का रंजन अपनी आगामी वेब सीरीज मिक्सचर को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। निर्देशक हनीश कालिया लेकर आ रहे हैं धमाकेदार एक्शन और थ्रिलर से भरपूर वेब सीरीज मिक्सचर। सीरीज मिक्सचर में पहली बार अहाना कुमरा और अनुष्का रंजन साथ नजर आएंगी। यह सीरीज क्राइम और सस्पेंस की दुनिया की सचाई दिखाएगी। एक्शन-सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर वेब सीरीज मिक्सचर इस साल रिलीज हो सकती है। प्रसिद्ध अभिनेत्री अनुष्का रंजन मिक्सचर नाम की आगामी वेब सीरीज में नजर आएंगी। यह एक एक्शन-थ्रिलर पर आधारित वेब सीरीज होगी। निर्देशक हनीश कालिया की इस वेब सीरीज में आपको भरपूर सस्पेंस और क्राइम देखने को मिलेगा। यह सीरीज दर्शकों के लिए एक नया अनुभव होगी। पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और हनीश कालिया द्वारा निर्देशित, यह सीरीज एक तरह से दर्शकों को अपराध और रहस्य की दुनिया की गहराई में ले जाएगी। इस सीरीज में अनुष्का के साथ अभिनेत्री अहाना कुमरा भी नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी वेब सीरीज मिक्सचर गोवा की सुंदर पृष्ठभूमि और मुंबई की हलचल भरी सड़कों पर आधारित है, जो दर्शकों को अपनी गंभीर स्टोरी और भयानक एक्शन सीन से बांधने में कामयाब रहेगी। बता दें कि अहाना कुमरा द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर, सलाम वेंकी, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का और खुदा हाफिज जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आगामी वेब सीरीज मिक्सचर गोवा की सुंदर पृष्ठभूमि और मुंबई की हलचल भरी सड़कों पर आधारित है, जो दर्शकों को अपनी गंभीर स्टोरी और भयानक एक्शन सीन से बांधने में कामयाब रहेगी। बता दें कि अहाना कुमरा द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर, सलाम वेंकी, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का और खुदा हाफिज जैसे कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। अनुष्का रंजन का जन्म मुंबई में 1 अक्टूबर 1990 को हुआ। उनके पिता अभिनेता होने के साथ निर्देशक शशि रंजन हैं। उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स से 2 साल का एक्टिंग डिप्लोमा किया और फिर कई सालों तक नादिरा बब्बर के थिएटर ग्रुप में भी काम किया। अनुष्का ने गुरुजी वीरू कृष्णा से कथक की ट्रेनिंग ली, वह एक ट्रेंड कथक डांसर हैं। उन्होंने 2015 में फिल्म वेडिंग पुलाव से डेब्यू किया। इसके बाद वह बत्ती गुल मीटर चालू में नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज फितरत में काम किया। वहीं बात करें अहना कुमरा की तो वह एक भारतीय अभिनेत्री हैं। अहना को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के धारावाहिक युद्ध में अमिताभ बचन के साथ अपने टेलीविजन डेब्यू और टीवी सीरीज एजेंट राघव - क्राइम ब्रांच में शरद केलकर के साथ मुख्य भूमिका के लिए जाना जाता है। इसके बाद उन्होंने कई फीचर फिल्मों में प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं।

महेश बाबू के जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा देंगे राजामौली, एसएसएमबी 29 की दिखेगी पहली झलक?

निर्देशक एस एस राजामौली अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए मशहूर हैं। आरआरआर की वैश्विक सफलता के बाद वह महेश बाबू के साथ फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म का अस्थाई नाम एसएसएमबी 29 है। फिल्म को लेकर दर्शकों में जबर्दस्त उत्साह है। इस बीच फिल्म को लेकर एक ऐसी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है, जिसे जानकर फैंस के चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी।

राजमौली देंगे फैंस को तोहफा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एस एस राजामौली महेश बाबू के जन्मदिन पर उनके प्रशंसकों को बड़ा तोहफा देने की तैयारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि 9 अगस्त को सुपरस्टार के जन्मदिन के मौके पर फिल्म का एक छोटा सा कॉन्सेप्ट वीडियो जारी किया जा सकता है। रिपोर्ट्स के इन दावों के बाद से अभिनेता के फैंस में खुशी की लहर है।

फिल्म की तैयारी में व्यस्त महेश बाबू

फिलहाल, महेश बाबू इन दिनों लाइमलाइट से दूर हैं और वह राजामौली की फिल्म की तैयारी में व्यस्त हैं। यह फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन के चरण में है। खबरों की मानें तो इस फिल्म को लेकर कोई बड़ा अपडेट भी महेश बाबू के जन्मदिन पर ही दिया जाएगा। यह पहला मौका है जब महेश बाबू और राजामौली एक साथ किसी फिल्म पर काम कर रहे हैं।

आखिरी बार गुंटूर कारम में आए थे नजर वर्क फ्रंट की बात करें तो महेश बाबू को आखिरी बार बड़े पर्दे पर फिल्म गुंटूर कारम में देखा गया था। फिल्म में श्रीलीला, राम्या और जगपति बाबू जैसे सितारे भी थे। साल 2024 के जनवरी महीने में रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं किया था। 41.3 करोड़ रुपये की ओपनिंग के बावजूद फिल्म ने टिकट खिड़की पर कुल 126.62 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था।

गुम है किसी के प्यार में' से बाहर होने पर चौंक गए थे शक्ति अरोड़ा, निर्माताओं पर जताई नाराजगी

टीआरपी के मामले में टॉप पर रहने वाला शो 'गुम है किसी के प्यार में' पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। शो में 10 से 12 साल के लीप की खबरें भी सामने आ रही हैं। हाल ही में शो के अभिनेता शक्ति अरोड़ा को अलविदा कहना पड़ा। अभिनेता ने 'गुम है किसी के प्यार में' शो को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ने शो में लीप के फैसले को चौंकाने वाला बताया है।

अच्छी टीआरपी के बावजूद शो में लीप क्यों?

निर्माताओं के फैसले पर नाराजगी जताते हुए अभिनेता ने कहा, 'यह हैरान करने वाला था, क्योंकि हमें अच्छी टीआरपी मिल रही थी। वर्ल्ड कप के दौरान 2.1 की टीआरपी आना मजाक नहीं है और कोई भी निर्माता ऐसे मोड़ पर लीप लेने की नहीं सोच सकता, लेकिन केवल चैनल और निर्माता ही जानते हैं उन्होंने ऐसा क्यों किया? लीप के बाद शो को आगे बढ़ाना जोखिम भरा है और आप मुंह के बल गिर सकते हैं।'

शो से बाहर होने की खबरों पर नहीं था विश्वास

38 वर्षीय अभिनेता ने खुलासा किया कि उन्हें शो से बाहर होने की जानकारी एक महीने पहले मीडिया में आ रही खबरों से पता चली थी। उन्होंने कहा, मुझे इस पर भरोसा नहीं हो रहा था, लेकिन मैं खुद को इसके लिए तैयार कर रहा था। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने निर्माताओं से बात करने की कोशिश भी की। अभिनेता ने कहा, 'मैं लंबे समय से टीवी में काम कर रहा हूं, लेकिन टीआरपी में टॉप पर कभी नहीं रहा, लेकिन 'गुम है किसी के प्यार में' तीन महीनों तक नंबर एक पर रहें। अक्टूबर 2023 से जनवरी 2024 तक। यहां तक की जब मैंने शो छोड़ा तब भी हम नंबर एक पर ही थे।'

प्रशंसकों को निराश नहीं करना चाहते अभिनेता

अभिनेता से जब पूछा गया कि अब वह आगे क्या करेंगे? इस पर उन्होंने कहा कि वह नए अवसरों की तलाश में रहेंगे जो उन्हें रचनात्मक संतोष भी दे सके, जो आपकी इमेज को अच्छा करें और आपकी मार्केट वैल्यू को बढ़ाए। उन्होंने कहा कि अगर आप कोई गलत परियोजना चुनते हैं तो लोगों को हैरानी होगी की आप सिर्फ पैसों के लिए कोई काम करते हैं। अभिनेता अपने दर्शकों को निराश नहीं करना चाहते।

अमेरिका में होगी कल्कि 2898 एडी की विशेष स्क्रीनिंग, नाग अश्विन भी करेंगे दर्शकों से बातचीत

नाग अश्विन के निर्दशन में बनी फिल्म कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म की कमाई लगातार बढ़ती जा रही है। इसने कामकाज वाले दिनों में भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाए रखी है। फिल्म का प्रदर्शन दूसरे वीकेंड में भी काफी अछा रहा है। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक रही है। इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और जब इसने सिनेमाघरों में दस्तक दी, तो दर्शकों ने फिल्म को हांथो-हाथ लिया। दर्शकों का भरपूर प्यार फिल्म को मिला है। फिल्म हर दिन एक नया रिकॉर्ड बना रही है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब इस फिल्म को लेकर और नई जानकारी सामने आ रही है, जिसमें पता चला है कि इस फिल्म की एक स्पेशल स्क्रीनिंग अमेरिका में आयाजित होने वाली है। प्रथ्यंगिरा सिनेमा के द्वारा किए एक ट्वीट के मुताबिक, कल्कि 2898 एडी के अमेरिकी वितरक 13 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे टीसीएल चाइनीज थिएटर में इसकी स्पेशल स्क्रीनिंग करने वाले हैं। यह अमेरिका का सबसे बड़ा आईमैक्स स्क्रीन है। इस दौरान फिल्म के निर्देशक नाग अश्विन भी दर्शकों के साथ बातचीत करने और फिल्म की सफलता का जश्न मनाने के लिए इस में शामिल होंगे।कल्कि 2898 एडी बॉक्स ऑफिस पर एक ब्लॉकबस्टर साबित हो चुकी है। यह इस साल की सबसे यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इसने वैश्विक स्तर पर करीब 900 करोड़ से भी यादा की कमाई कर ली है। अभी भी यह फिल्म तेजी से 1000 करोड़ के क्लब में शामिल होने की ओर बढ़ रही है। हाल में ही कई रिपोर्ट्स में दावा किया किया गया था कि अमेजन प्राइम वीडियो पर कल्कि 2898 एडी को तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ संस्करणों में तथा नेटफ्लिक्स पर हिंदी संस्करण में रिलीज होगी। कल्कि 2898 एडी में कई बड़े सितारे एक साथ नजर आए थे। फिल्म में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बचन, कमल हासन, शोभना, दिशा पटानी, अन्ना बेन, पसुपति और कई अन्य प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। वहीं, इसमें दुलकर सलमान, मृणाल ठाकुर और विजय देवरकोंडा ने विशिष्ट भूमिका निभाई है। फिल्म का निर्माण अश्विनी दत्त ने किया है और संतोष नारायणन ने फिल्म का संगीत तैयार किया है। वैजयंती मूवीज के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्माण अश्विनी दत्त ने किया है।

12 जुलाई को अनंत-राधिका की शादी, बीकेसी के सभी होटल बुक, किराया जानकर रह जाएंगे हैरान

अनंत अंबानी-राधिका मर्चेंट की शादी के कारण बीकेसी के कई प्रमुख 5 सितारा होटलों के कमरों की बुकिंग फुल हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मुंबई के रियल एस्टेट सेंटर बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के 5 स्टार होटल्स में जबरदस्त बुकिंग की वजह से कुछ होटल के एक रूम के रुकने का खर्चा लाखों में पहुंच गया है, जो लगभग 1 करोड़ के आस-पास ही है। दरअसल, बिजनेसमैन मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट की शादी 12 जुलाई को मुंबई के बीकेसी स्थित जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में होगी। समारोह 5 जुलाई को शुरू हुआ था, जहां अंतरराष्ट्रीय पॉप स्टार जस्टिन बीबर ने संगीत समारोह में प्रस्तुति दी थी। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के जश्न ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) इलाके में होटलों की कीमतों में भारी बदलाव आए हैं। जहां एक रूम का एक दिन का किराया मात्र कुछ हजार रुपए होता था, वहीं अब होटल में एक रात एक रूम में रुकने का किराया करोड़ों में जा पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट्स से मिली जानकारी के अनुसार बीकेसी इलाके के आसपास के प्रमुख सभी होटलों के कमरे लगभग बिक चुके हैं। अब एक भी होटल बुकिंग के लिए खाली नहीं रह गया है।मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की आलीशान शादी की वजह से होटलों की बुकिंग जोरों पर चल रही है। आलम यह है कि अभी तक यहां के दो ऐसे 5 स्टार होटल्स हैं, जिनके सभी कमरे बुक किए जा चुके हैं। आमतौर पर इन होटलों में एक रात ठहरने का किराया मात्र 13,000 रुपए है, लेकिन अंबानी परिवार में 12 जुलाई को शादी है। यही वजह है कि होटल में एक रात रुकने के रेट रातों-रात 13000 रुपये से बढ़ाकर 4000 रुपये से ज्यादा कर दिया है। अब इस होटल में सभी कमरों की बुकिंग हो चुकी है। इस होटल में अब 10 जुलाई से 14 जुलाई के बीच कोई भी कमरा उपलब्ध नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 8 जुलाई को बीकेसी में इस एक और 5 स्टार होटल के कमरे का एक दिन का किराया मात्र 13000 रुपये हुआ करता था, लेकिन अंबानी परिवार की शादी की वजह से अब वहीं इन होटलों का किराया बढ़ गया है। 13 जुलाई को एक रूम का किराया 13000 रुपये से बढ़कर 30,060 और 4 जुलाई को 40,410 रुपये हुआ। कीमतों में कर शामिल नहीं है। 10 जुलाई और 11 जुलाई को इन होटल में कोई भी कमरा अब उपलब्ध नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शादी 12 जुलाई को होगी और उत्सव 14 जुलाई तक चलेगा।

कटनी के बरही में शाला भवन में हुआ हादसा

छत की मोटी परत क्लास में बैठे बच्चों के ऊपर गिरी, बच्चों के सर में आयी चोटे

सुनील यादव। सिटी चीफ।

कटनी, कटनी के बरही तहसील क्षेत्र के ग्राम केवलारी में उस वक्त हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई, जब शाला भवन के छत की मोटी परत क्लास में बैठे बच्चों के ऊपर गिरी। यह हादसा प्राथमिक शाला भवन सेहरा टोला ग्राम केवलारी में हुआ। घटना की खबर पाते ही नायब तहसीलदार बरही के चिकित्सक डॉ पीयूष तिवारी, खितौली चौकी प्रभारी सहित अन्य अमला पहुँचा, जहाँ लहूलुहान हुए बच्चों का प्राथमिक उपचार कराया गया। घायल कक्षा 2 की छात्रा कविता, दिव्यासी, कक्षा 1 की शुभी पाल, छात्र यश गौड़ को बरही अस्पताल में भर्ती कराया गया। इन सभी के सिर में चोट आई है, जिनका उपचार किया जा रहा था, वही छात्र नैतिक गौड़ को मामूली चोट आने पर उसके घर भेज दिया गया था।

शिक्षक चंदेल ने प्रशासन को दी जानकारी बताया गया है कि हादसे के तत्काल बाद वहां पदस्थ शिक्षक शिवकुमार सिंह चंदेल ने घटना की जानकारी अपने उच्चाधिकारियों को दी, जिससे हरकत में आए प्रशासनिक अमला मौके पर पहुँच कर राहत पहुंचाने में जुट गया था। इस हादसे में सभी बच्चो का इलाज बरही स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। वही इस पूरे मामले की जांच पुलिस प्रशासन के साथ जिला प्रशासन के अधिकारी भी कर रहे है।

ग्वालियर स्मार्ट सिटी नहीं है स्मार्ट

नगर निगम के पास नहीं है गड्ढे भरने के लिए फंड, जन समस्याओं को लेकर जन प्रतिनिधि बस दे रहे हैं आश्वासन

अरविन्द सिंह पवैया। सिटी चीफ।

ग्वालियर, ग्वालियर सिटी को स्मार्ट सिटी कहने वाले लोगों के मुंह पर तमाचा बनकर उभर रही है ग्वालियर शहर की सड़कें।

जहां एक ओर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री से लेकर संसद केंद्रीय मंत्री और विधानसभा अध्यक्ष एवं समस्त जनप्रतिनिधियों को ग्वालियर शहर की जर्जर सड़क नजर नहीं आ रही है ग्वालियर की गड्ढे वाली सड़क है शहर वासी जहां एक और बरसात आने पर खराब हुई सड़कों पर चलने के लिए मजबूर हो रहे हैं वहीं सरकार द्वारा करोड़ों रुपए लग चुकी स्मार्ट सिटी अभी तक गड्ढा मुक्त एक सड़क नहीं बन पाई नगर निगम और जिला प्रशासन सड़कों की ऐसी हालत देखकर आंख बंद कर कर सोया हुआ है जर्जर सड़कों पर आए दिन बड़े हादसे होना एक आम बात हो गई है शहर की ऐसी सड़कों को देखकर उनको बनाने वाले ठेकेदार की गुणवत्ता पर सवाल उठता है कि उन्होंने करोड़ रुपए की सड़कों को क्या हाल कर दिया है कि पहली वर्षा में ही सड़कों की जर्जर हालत हो गई है जिसका उदाहरण आप दे सकते हैं कि महाराज बाड़े पर पेडेस्टियन जोन । इसका जिम्मेदार कौन हैं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता हुआ स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट नगर निगम के पास सड़कों को सही करने के लिए भी फंड नहीं है जितना भी फंड मिलता है वह वीआईपी सड़कों के संधारण एवं अफसर के बंगलो के सड़कों के रखरखाव पर खर्च हो जाता है ना ही जनप्रतिनिधि आम जन की समस्याओं को सुन रहे हैं नहीं भ्रष्टाचार अफसर जल भराव एवं जर्जर सड़कों की समस्याओं को लेकर आमजन कहां जाए।

कांवड़ यात्रा को लेकर 21 सेक्टरों में बांटा जिला

ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से रखी जाएगी नजर

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर, 22 जुलाई से शुरू हो रही कांवड़ यात्रा के मद्देनजर प्रशासन ने सहारनपुर जिले को 10 जोन और 21 सेक्टर में बांटा गया है। एसएसपी रोहित सिंह सजवान ने आज बताया कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और पूरे क्षेत्र पर ड्रोन कैमरों से नजर रखी जाएगी।

कांवड़ियों के बीच सादी पौशाक में पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगे। संवेदनशील स्थानों पर अधिक सतर्कता बरती जाएगी। अनुमान है इस बार सहारनपुर से होकर करीब एक करोड़ शिवभक्त कांवड़िए जल लेने हरिद्वार पहुंचेंगे और जल लेकर अपने गंतव्यों को वापस लौटेंगे।

नदी में मिली सरकारी वकील की कार, गाड़ी के अंदर मिली व्यापारी की लाश

वकील अभी भी लापता, पिछोर से निकले थे दोनों साथ

कुलदीप गुप्ता। सिटी चीफ ।

शिवपुरी, शिवपुरी जिले के पिछोर थाना क्षेत्र की बुधना नदी में दोपहर को एक कार मिली । कार को जब नदी से बाहर निकाला गया तो उसमें एक व्यापारी की लाश पड़ी मिली। मृतक की पहचान शिवम गुप्ता के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार नदी में गिरी कार पिछोर कोर्ट में पदस्थ एडीपीओ (सहायक जिला अभियोजन अधिकारी) राकेश रोशन की है। रविवार शाम को राकेश रोशन और शिवम गुप्ता कार से कहीं निकले थे। दोनों पड़ोस में ही रहते हैं। देर रात तक दोनों घर नहीं पहुंचे तो परिजन ने पिछोर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू की।

पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने बताया कि सोमवार की दोपहर पिछोर-चंदेरी रोड पर बुधना नदी में कार पड़ी होने की सूचना मिली थी। पुलिस पहुंची और कार को बाहर निकाला। कार के भीतर एक लाश मिली है, जिसकी पहचान शिवम गुप्ता के रूप में हुई है।

चूंकि कार एडीपीओ राकेश रोशन की है और रविवार की शाम दोनों के साथ होने की बात सामने आई है। इसके चलते एडीपीओ की तलाश की जा रही है। उन्हें तलाशने के लिए शिवपुरी से SDERF की टीम भी मौके पर पहुंची है।

जिलाधिकारी ने निभाई शिक्षक की भूमिका बच्चों से किया वार्तालाप, पूछे सवाल

बच्चों को दिए जाने वाले भोजन की चैक की गुणवत्ता

गौरव सिंघल। सिटी चीफ ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनवाडी केन्द्र हकीकत नगर का औचक निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने इस दौरान शिक्षकों व छात्रों के उपस्थिति रजिस्टर चैक किए। उन्होंने बच्चों का वजन रजिस्टर भी चैक किया। उन्होंने कक्षाओं में कराये जा रहे अध्यापन कार्य, किचन, साफ-सफाई का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों से पढवाकर एवं लिखवाकर भी देखा। उन्होंने खाने की गुणवत्ता को स्वयं परखते हुए बच्चों से भी जानकारी ली। इसी के साथ उन्होने पेयजल की व्यवस्था एवं गुणवत्ता को भी परखा। डीएम मनीष बंसल ने किचन में उपलब्ध राशन एवं भोजन सामग्री के भण्डारण के विषय में भी जानकारी प्राप्त की तथा खाद्य पदार्थों की वैधता की भी जांच की। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिए कि निर्धारित आहार तालिका के अनुसार ही भोजन बनाया जाए। निर्धारित समयावधि के अनुसार पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म में आने के लिए कहा। उन्होंने अध्यापकों से कहा कि बच्चों के शिक्षण कार्य को बेहतर तरीके से सम्पादित किया जाए। उन्होंने विद्यालय प्रांगण में बेहतर साफ-सफाई के निर्देश दिए।

डीएम - एसएसपी ने किया निर्माणाधीन सरसावा सिविल टर्मिनल का निरीक्षण

गुणवत्तायुक्त कार्य माह के अंत तक पूर्ण करने के दिए निर्देश

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान ने सरसावा में सिविल टर्मिनल के चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। डीएम मनीष बंसल ने सिविल टर्मिनल के निर्माण हेतु नामित कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि यथाशीघ्र कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने एसडीएम नकुड़ को समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। सिविल टर्मिनल केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसको पूर्ण किये जाने के लिए समय-समय पर निर्देश जारी किए गये। इससे जनपदवासियों को आवागमन में सुगमता होगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. अर्चना द्विवेदी, उपजिलाधिकारी नकुड़ श्रीमती संगीता राघव सहित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सहारनपुर के चिलकाना में वरिष्ठ समाजसेवी हिमांशु गर्ग के आवास पर पूर्व विधायक व मंत्री संजय गर्ग के साथ सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर चर्चा की गई

सभी लोगों से आगामी महाराजा अग्रसेन जयंती के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को इकट्ठा करने का आह्वान किया गया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ।

सहारनपुर। चिलकाना, कस्बा चिलकाना में आज अग्रवाल सभा चिलकाना सुल्तानपुर के अध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी हिमांशु गर्ग के आवास पर एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में पधारे पूर्व विधायक व मंत्री, संरक्षक अग्रवाल समन्वय समिति संजय गर्ग के साथ सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में अग्रवाल समाज के उक्त सभी लोगो से आगामी महाराजा अग्रसेन जयंती के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को इकट्ठा करने का आह्वाहन किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के जिलाध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने भी कहा कि इस बार भी वैश्य समाज के मेधावी छात्रों एवं शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष नरेश गोयल ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि व्यापारियों की हर प्रकार से सहायता की जाएगी। किसी का शोषण नहीं होने दिया जाएगा। इस अवसर पर अजय गुप्ता, रामकुमार गुप्ता, राकेश एरेन, अनुराग गर्ग, संजय सिंघल, बसंत गुप्ता, गौरव गर्ग, मोहन गुप्ता, पंकज गर्ग, पवन सैन, राजीव गुप्ता आदि अग्रवाल समाज के लोग मौजूद रहे।

सैनिकों की पत्नियां और माताएं इस पृथ्वी की सबसे शक्तिशाली महिलाएं- वीरांगना प्रतिभा राजेंद्र यादव

खरगोन

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली पर बैटल ऑनर डे- टाइगर हिल के अवसर पर ऑपरेशन विजय में टाइगर हिल पर कब्जे के दौरान अद्मय शौर्य, वीरता और साहस का परिचय देने वाले और राष्ट्र पर अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर सैनिकों के सम्मान में एक भव्य पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया गया। 03 जुलाई 2024 को आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता कारगिल युद्ध शहीद राजेंद्र कुमार यादव (सेना मेडल) की धर्मपत्नी एवं शहीद समरसता मिशन की मध्य प्रदेश संरक्षक वीरांगना प्रतिभा राजेंद्र यादव ने की। वीरांगना प्रतिभा राजेंद्र यादव ने बताया कि पूरे देश में 'ऑपरेशन विजय' की रजत जयंती समारोह को लेकर आयोजन किए जा रहे है। जिनके माध्यम से कारगिल युद्ध में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों और उनके परिवारों को सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया जा रहा है। प्रतिभा यादव ने बताया कि 'एक सैनिक के साथ उसका पूरा परिवार शहीद होता है, लेकिन यह भी सच है कि

सैनिकों की पत्नियां और माताएं इस पृथ्वी की सबसे शक्तिशाली महिलाएं होती है जो सुहाग और लाल इस मातृभूमि पर वार देती है। अपने संघर्ष के बारे में वीरांगना प्रतिभा यादव ने बताया कि शादी के महज 2 साल बाद ही लांस नायक राजेंद्र कुमार यादव राष्ट्र पर न्योछावर हो गए थे। वो घर छुट्टी पर आए हुए थे तब ही उन्हें ड्यूटी पर लौटने के लिए आर्डर मिला था। मुझे याद है कि इसके तीन दिन पहले ही मैंने उन्हें बताया था कि वो पिता बनने वाले है। तब उन्होंने मुझे कहा था कि एक सैनिक के परिवार को हमेशा हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने मुझे युद्ध पर जाने से पहले कहा था कि होने वाली संतान चाहे बेटा हो या बेटी उसे राष्ट्र रक्षार्थ सेना में ही भेजना ताकि वो राष्ट्र सेवा की मेरी बाकी हसरत को पूरा कर सकें।

शहीद की बेटी भी कर रही राष्ट्र सेवा की तैयारी वीरांगना प्रतिभा राजेंद्र यादव ने बताया कि पति की शहादत के समय वे तीन माह गर्भ से थी, लेकिन दु:ख से ज्यादा गर्व महसूस कर रही थी। आपको बता दें कि बाद में शहीद राजेंद्र कुमार यादव की पत्नी ने बेटी मेघा को जन्म दिया। जो आज अपने पिता के अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए सेना में जाने की तैयारी कर रही है। वहीं खुद वीरांगना प्रतिभा यादव देश में सेना, शहीद और सैनिक परिवारों की सेवा और सम्मान के लिए कार्यरत शहीद समरसता मिशन से जुड़ी है और बतौर मध्य प्रदेश संरक्षक की भूमिका मध्य प्रदेश समेत पूरे देश में राष्ट्र सेवा के कार्यों में संलग्न है। वीरांगना प्रतिभा यादव ने बताया कि शहीद समरसता मिशन से जुड़कर लगातार देश के सामाजिक समरसता, सेना के सम्मान, सैनिक, शहीद और उनके परिजनों को स्वजन जानकर उनकी सेवा के विभिन्न कार्य मिशन के राष्ट्रीय संयोजक और संस्थापक मोहन नारायण के नेतृत्व और मिशन के राष्ट्रीय संरक्षक, महामहिम राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटा) श्री गुरमीत सिंह के मार्गदर्शन में किए जा रहे हैं। जिसके सुखद परिणाम समाज में दिखाई देने लगे है। शहादत और शौर्य के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम में सीडीएस रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चौहान, ब्रिगेडियर कुशल ठाकुर (रिटा.), परमवीर चक्र से सम्मानित कैप्टन योगेंद्र सिंह यादव (रिटा.) और 18 ग्रेनेडियर के तत्कालीन सीओ समेत अन्य सैन्य अधिकारी, कारगिल युद्ध के सेवारत सैनिक, कारगिल युद्ध के नायक और अमर शहीदों की वीरांगनाएं और परिजन शामिल हुए।

टीएल बैठक में कलेक्टर ने की समयसीमा प्रकरणों की समीक्षा के साथ अधिकारियों को दिए निर्देश

खरगोन

आज 08 जुलाई को कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर द्वारा समयसीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, श्री जेएस बघेल, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर श्री सत्येन्द्र बैरवा, एसडीएम श्री भास्कर गाचले एवं सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में महेश्वर, भीकनगांव, कसरावद, बड़वाह के एसडीएम तथा सभी जनपद पंचायत के सीईओ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे। बैठक में सर्वप्रथम एक पौधा माँ के नाम अभियान की समीक्षा की गई। इस अभियान के धीमी प्रगति पर कलेक्टर द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि लक्ष्य के अनुरूप समय सीमा में पौधारोपण किया जाए। इस अभियान के अंतर्गत लगाए गए पौधे के साथ फोटो लेकर उसे अपने मोबाइल पर वायूदूत एप के माध्यम से अपलोड करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री शर्मा ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे अपने क्षेत्र में संचालित गौशालाओं का निरीक्षण करें और वहां की व्यवस्थाओं को देखें। गौशाला में पशुओं के लिए सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त रहना चाहिए। गौशाला के पशुओं का टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जांच नियमित रूप से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा इस वर्ष को गौ संवर्धन वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है और इसमें जन सहयोग से गौशालाओं की व्यवस्थाओं में सुधार करना है। बैठक में बताया गया कि

जिले में 36 गौशालाएं संचालित है और इनका सतत निरीक्षण किया जा रहा है। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण अनावश्यक लंबित न रहे और इनका त्वरित निराकरण किया जाए। कलेक्टर श्री शर्मा ने चेतावनी दी कि जिन अधिकारियों द्वारा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरण अटेंड नहीं किए जा रहे हैं, उनकी वेतनवृद्धि रोकने की कार्यवाही की जाएगी। बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप अपने कार्यालय में कर्मचारियों की उपस्थिति प्रात: 10 बजे से शाम 06 बजे तक अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। लंच का टाईम दोपहर 01:30 बजे से 02 बजे तक मात्र आधे घण्टे का ही होना चाहिए। कर्मचारियों की उपस्थिति सार्थक एप के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि वे अपने क्षेत्र के लोकसेवा केन्द्रों का नियमित रूप से निरीक्षण करें और लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से आय एवं जाति प्रमाण पत्र एक दिन में देने का प्रयास करें। बैठक में प्रदेश शासन द्वारा आकस्मिक उपचार के लिए उपलब्ध कराई गई एयर एम्बुलेंस सेवा के लिए सभी आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिसोदिया ने बताया कि दुर्घटना आदि घायल व्यक्ति को विशेषज्ञ चिकित्सक के उपचार की आवश्यकता होने पर जिला चिकित्सालय खरगोन द्वारा एयर एम्बुलेंस उपलब्ध कराने की कार्यवाही की जाएगी। यह सेवा आयुष्मान कार्ड धारक व्यक्ति के लिए नि:शुल्क रहेगी। अन्य व्यक्ति को इस सेवा के लिए शुल्क का भुगतान करना होगा। कलेक्टर श्री शर्मा ने इस सुविधा के लिए हैलीपेड स्थल चिन्हित कर वहां पर एयर एम्बुलेंस के लिए सारी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि सावन मास में जिले के विभिन्न स्थानों से कावड़ यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा के लिए यातायात एवं कानून व्यवस्था संबंधी सभी आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए गए। सनावद, बड़वाह, महेश्वर एवं मण्डलेश्वर में कावड़ यात्रा के दौरान आकस्मिक चिकित्सा की सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में उप संचालक कृषि को निर्देशित किया गया कि जिले में किसानों के लिए खाद की कमी न होने दें और किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने कहा गया। उप संचालक कृषि द्वारा बताया गया कि जिले में खरीफ फसलों की बोनी का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है

सतना सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों सहित विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री संजना जैन,अपर कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखडे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक पेड मां के नाम अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत नर्मदापुरम की ग्राम पंचायतों में किया जा रहा पौधारोपण

कलेक्टर ने किया मूंग उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

नर्मदापुरम

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत नर्मदापुरम की ग्राम पंचायतों में पौधारोपण का कार्य ज़ोरों से किया जा रहा है। पौधारोपण के इस अभियान में आज के एस बानिया-अधीक्षण यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा नर्मदापुरम, एल एम इक्का- अनुविभागीय अधिकारी एवं तरूण डिगरसे- उपयंत्री जनपद पंचायत नर्मदापुरम के द्वारा ग्राम पंचायत खरखेड़ी में नर्मदा किनारे वृक्षारोपण कर वायुदूत ऐप पर फोटो अपलोड की गई। जनपद पंचायत सीईओ हेमंत सूत्रकार ने बताया कि जनपद पंचायत की प्रत्येक ग्राम पंचायत में पौधारोपण अभियान तेज गति से चलाया जा रहा है, जिसमें पौधारोपण के फोटो अंकुर पोर्टल के वायुदूत ऐप के माध्यम से अपलोड किए जा रहे हैं। श्री सूत्रकार ने बताया कि इसी तारतम्य में आज ग्राम पंचायत खरखेड़ी में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा- नर्मदापुरम एवं जनपद पंचायत के अमले के द्वारा खरखेड़ी में पौधारोपण किया गया जिसमें अधीक्षण यंत्री अनुविभागीय अधिकारी उपयंत्री सहित सरपंच सचिव ग्राम रोजगार सहायक एवं ग्रामीणों की भागीदारी रही।

नरसिंहपुर

एफएक्यू मापदंडों के अनुरूप ही हो खरीदी- कलेक्टर

राज्य शासन द्वारा जिले में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी का कार्य चल रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सोमवार को छाबड़ा वेयर हाउस एवं एमपीडब्ल्यूसी करेली बस्ती में बनाये गये मूंग उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया और यहां आये किसानों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने आज इन खरीदी केन्द्रों पर किसानों द्वारा लाई गई मूंग का अवलोकन किया। उन्होंने यहां मौजूद सर्वेयर को निर्देशित किया कि मूंग और उड़द का उपार्जन एफएक्यू मापदंडों के अनुरूप और पंजीकृत किसानों द्वारा स्लॉट

बुक कराये जाने के उपरांत ही किया जाये। उपार्जन केन्द्र में किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हो। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि समर्थन मूल्य पर किसानों से अच्छी क्वालिटी की मूंग की ही खरीदी करें। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि उपार्जन में किसी भी तरह की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर सर्वेयर मौजूद हो एवं अपने समक्ष खरीदी करवाये। साथ ही प्रत्येक सर्वेयर के पास एनालिसिस किट अनिवार्य तौर पर हो। संबंधित अधिकारी जिले में बनाये गये उपार्जन केन्द्रों का सतत रूप से निरीक्षण करते रहें।

निरीक्षण के दौरान सर्वेयर ने बताया कि आज सोमवार को छाबडा वेयर हाउस में किसानों से 260 क्विंटल मूँग ख़रीदी गई है। जबकि एमपीडब्ल्यूएलसी में 22 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किए गए थे, जिसमें से 18 किसानों ने 313 क्विंटल मूँग बेची। निरीक्षण के दौरान उपसंचालक कृषि विभाग के श्री उमेश कटहरे, तहसीलदार श्री निर्मल पटले, समिति प्रबंधक, गोदाम प्रबंधक, उपार्जन केंद्र के नोडल अधिकारी तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर मौजूद थे।

समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया उमरिया - समय सीमा की साप्ताहिक बैठक में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की कोई भी शिकायते अन अटेण्डेंट नही रहे अन्यथा संबंधित एल-1 अधिकारी तथा जिला प्रमुख अधिकारी के विरूध्द कार्यवाही की जायेगी । आपने कहा कि समय सीमा के पत्रों का संबंधित अधिकारी समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित कराएं। आगामी सप्ताह में सभी समय सीमा के पत्रों का निराकरण अनिवार्य रूप से कर लिया जाए । विभागवार अन अटेंण्डेंट शिकायतों की समीक्षा की जाएगी । बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर शिव गोविंद सिंह मरकाम, एसडीएम बांधवगढ रीता डेहरिया, एसडीएम पाली टी आर नाग, एसडीएम मानपुर कमलेश नीरज, डिप्टी कलेक्टर मीनाक्षी इंगले सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

पचमढी में पर्यटकों को सुविधा मुहिया कराने बैठक आयोजित हुई

नर्मदापुरम

सोमवार को पचमढ़ी टैक्सी मालिक एवं चालक कल्याण संघ, गाईड कल्याण संघ, पचमढ़ी होटल एसोसिएशन एवं पर्यटकों के समक्ष बायसन लॉज पचमढ़ी में पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की सुविधा, साफ सफाई प्रबंधन सुदृढीकरण के लिए बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें श्री एल0 कृष्णमूर्ती क्षेत्रसंचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, सुश्री पुजा नागले उपसंचालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व, श्री संजीव कुमार शर्मा सहायक संवालक सतपुड़ा टाइगर रिजर्व पचमढ़ी, श्री संतोष तिवारी एस0डी0एम0 राजस्व पिपरिया, श्री वैभव बैरागी तहसीलदार पिपरिया, श्री नीरज श्रीवास्तव सादा सी0ई0ओ पचमढ़ी, सतपुड़ा टाईगर रिजर्व के अन्य अधिकारी एंव कर्मचारीगण, पचमढ़ी नगर के जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य नागरिक,

पत्रकारगण उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित बरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा पर्यटकों की सुरक्षा हेतु पुरानी जिप्सी बन्द करने हेतु, समस्त पर्यटन स्थलों एवं पचमढ़ी नगर में सिंगल यूस प्लास्टिक को प्रतिबंध करने हेतु समझाईश दी गई। उपस्थित सदस्यों द्वारा बन्दरों से होने वाली जनघायल को रोकने हेतु उपस्थित अधिकारियों से निवेदन किया गया। जिस पर वनक्षेत्र में स्थित व्यू पाईन्ट से बन्दरों को हटा कर सुरक्षित रहवास पर छोड़े जाने हेतु क्षेत्रसंचालक द्वारा आश्वासन दिया गया। कलेक्टर द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु उपस्थित सभी सदस्यों को स्वप्रेरणा से प्लास्टिक के इस्तेमाल को बन्द करना, पर्यटकों को साफ सफाई हेतु स्थानीय व्यक्तियों द्वारा प्रेरित करना, पचमढ़ी को दूरिस्ट मॉडल बनाना आदि के संबंध में आवश्यक सुझाव दिये गये।

मास्को में मोदी बोले- भारत-रूस के बीच मजबूत संबंधों से दोनों देशों के लोगों को बहुत लाभ होगा

मास्को- यूक्रेन पर मास्को का आक्रमण शुरू होने के बाद रूस की पहली यात्रा के तहत यहां पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर वार्ता करेंगे। इस यात्रा को व्यापक भू-राजनीतिक संदर्भ और संकेत के रूप में देखा जा रहा है। मॉस्को पहुंचने के तुरंत बाद मोदी ने कहा कि वह भविष्य के क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के लिए उत्सुक हैं और भारत और रूस के बीच मजबूत संबंधों से हमारे लोगों को बहुत लाभ होगा। प्रधानमंत्री ने अपने प्रस्थान वक्तव्य में कहा कि भारत शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए ''सहायक भूमिका निभाना चाहता है। अधिकारियों ने बताया कि रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने वनुकोवो-दो हवाई अड्डे पर मोदी की अगवानी की। मांतुरोव मोदी को हवाई अड्डे से उनके होटल तक छोड़ने उनके साथ गए।

मांतुरोव ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस यात्रा के दौरान उनका भी स्वागत किया था। मंगलवार को मोदी राष्ट्रपति पुतिन के साथ 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे, भारतीय समुदाय के सदस्यों से बातचीत करेंगे और एक प्रदर्शनी में रोसाटॉम मंडप का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री का अज्ञात सैनिक की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने का भी कार्यक्रम है। बाइसवें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन का जोर ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश और लोगों के बीच आदान-प्रदान के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने पर होने की संभावना है। चर्चाओं में यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा होने की संभावना है। वार्ता में मोदी रूसी पक्ष से रूसी सेना में सहायक कर्मचारियों के रूप में भारतीयों की भर्ती समाप्त करने और सेना में अभी भी कार्यरत लोगों की वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह कर सकते हैं। मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, मॉस्को पहुंच गया हूं। हमारे देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की उम्मीद है, खासकर सहयोग के भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में।

उन्होंने कहा, हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों से हमारे लोगों को बहुत लाभ होगा। यह 2019 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी की रूस की पहली और फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की शुरुआत के बाद उनकी रुस की पहली यात्रा और प्रधानमंत्री के तौर पर उनके तीसरे कार्यकाल की पहली यात्रा भी है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन आज रात मोदी के लिए एक निजी रात्रिभोज की मेजबानी करने वाले हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स पर लिखा, ''प्रधानमंत्री दोनों देशों के बीच विशेष साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे। वह रूस में भारतीय समुदाय के साथ भी संवाद करेंगे। मास्को पहुंचने पर भारतीय प्रधानमंत्री को हवाई अड्डे पर 'गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। शहर में कार्लटन होटल में भारतीय मूल के लोगों ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया और कुछ रूसी कलाकारों ने हिंदी गीतों की धुन पर नृत्य कर उनका स्वागत किया। मोदी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, मास्को में एक यादगार स्वागत! मैं भारतीय समुदाय को उनके स्नेह के लिए धन्यवाद देता हूं। मोदी ने रूस रवाना होने से पहले एक बयान में कहा, भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी पिछले 10 वर्षों में और बढ़ी है, जिसमें ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और लोगों से लोगों का संपर्क आदि क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''मैं, मेरे मित्र राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने और विभिन्न क्षेत्रीय एवं वैश्विक मामलों पर दृष्टिकोण साझा करने को लेकर आशान्वित हूं। उन्होंने कोई विशिष्ट उल्लेख किये बिना कहा, ''हम शांतिपूर्ण एवं स्थिर क्षेत्र के लिए सहयोगात्मक भूमिका निभाना चाहते हैं। रूस के साथ अपनी 'विशिष्ट रणनीतिक साझेदारी का भारत पुरजोर बचाव करता रहा है और यूक्रेन संघर्ष के बावजूद संबंधों में गर्मजोशी बनी रही है। रूस के साथ अपनी मजबूत दोस्ती को इंगित करते हुए भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा नहीं की है। भारत यह कहता रहा है कि संकट को कूटनीति और बातचीत के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह यात्रा उन्हें रूस में भारतीय मूल के लोगों से मिलने का अवसर भी प्रदान करेगी। मोदी ने मास्को रवाना होने से पहले 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''अगले तीन दिन, मैं रूस और ऑस्ट्रिया में रहूंगा। ये दौरे इन देशों के साथ संबंधों को गहरा करने का एक शानदार अवसर होंगे, जिनके साथ भारत की दोस्ती समय की कसौटी पर खरी उतरी है। मोदी की मॉस्को यात्रा से पहले रूस के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने कहा कि एजेंडा व्यापक होगा। उन्होंने कहा था, ''जाहिर है, एजेंडा व्यापक होगा। यह एक आधिकारिक यात्रा होगी और हमें उम्मीद है कि दोनों राष्ट्र प्रमुख अनौपचारिक रूप से भी बातचीत कर पाएंगे। भारत के प्रधानमंत्री और रूस के राष्ट्रपति के बीच वार्षिक शिखर सम्मेलन दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में सर्वोच संस्थागत संवाद तंत्र है। वार्षिक शिखर सम्मेलन भारत और रूस में बारी-बारी से होते हैं। इससे पहले पिछला शिखर सम्मेलन छह दिसंबर 2021 को नयी दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आए थे। उक्त शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों ने 28 सहमति पत्रों और समझौतों पर हस्ताक्षर किए तथा शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए भारत-रूस साझेदारी शीर्षक से एक संयुक्त वक्तव्य भी जारी किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन ने आखिरी बार 16 सितंबर, 2022 को उबेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के इतर द्विपक्षीय वार्ता की थी। इस दौरान मोदी ने यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए पुतिन पर दबाव डालते हुए कहा था, ''आज का युग युद्ध का नहीं है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से, मोदी ने पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ टेलीफोन पर कई बार बातचीत की है। नौ जुलाई को रूस में अपने कार्यक्रम समाप्त करने के बाद मोदी ऑस्ट्रिया के लिए रवाना होंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 40 वर्षों में ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी।

नवजात बच्चों की खरीद-फरोख्त दलालों का खौफनाक खेल

8 लाख रुपए में बेच रहे शिशु

नेशनल डेस्क- राजस्थान में दलालों का एक संगठित गिरोह आदिवासी परिवारों से नवजात बच्चों को 20-40 हजार रुपये में खरीदकर निसंतान जोड़ों को 8 लाख रुपये तक में बेच रहा है। इन बच्चों की डिलीवरी दिल्ली, हैदराबाद, गुजरात, और मध्यप्रदेश तक हो रही है। तकरीबन डेढ़ साल की पड़ताल में इस पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

खरीद-बेच का घिनौना खेल

कई लोंगो ने दलालों से संपर्क किया, जिसमें 25 दिन के नवजात के लिए 8 लाख रुपये मांगे। सौदा 6 लाख रुपये में तय हुआ और वाट्सएप पर बच्चे का वीडियो भेजा गया। देखने की इच्छा जताने पर दिल्ली के दलाल मनोज ने 20 हजार रुपये मांगे। उदयपुर की दलाल राजकुमारी और तनु पटेल ने गुलाबबाग में बच्चे को खरीदार के हाथों में सौंप दिया।

दलालों का नेटवर्क

राजकुमारी- यह मुख्य किरदार है, जो आदिवासी गांवों में संपर्क रखती है। उसकी गैंग में आईवीएफ सेंटर में काम करने वाली लड़कियां भी शामिल हैं, जो निसंतान जोड़ों से संपर्क करती हैं और बच्चों की डिलीवरी का भी प्रबंध करती हैं। -भैरूलाल- यह गरीबों को नवजात बच्चों को बेचने के लिए प्रलोभन देकर फांसता है। उसके आदमी राजकुमारी को बच्चे देकर जाते हैं। -मनोज वर्मा- यह नोएडा में रहता है और दिल्ली, हैदराबाद, गुजरात, और कर्नाटक के अस्पतालों से संपर्क में है। जब बच्चे की डिमांड आती है, तो वह राजकुमारी के जरिए बच्चे की डिलीवरी करवाता है।

बच्चे खरीदने-बेचने पर सख्त सजा

किसी का बच्चा आपसी सहमति पर भी नहीं रखा जा सकता। बच्चा खरीदने और बेचने पर दोनों पक्षों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होता है, जिसमें 10 साल से लेकर आजीवन सजा का प्रावधान है। इस घिनौने खेल से आदिवासी परिवारों की मजबूरी और दलालों की क्रूरता सामने आती है। सरकार और समाज को इस समस्या के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है ताकि इस तरह के अपराधों पर लगाम लगाई जा सके।

वाहन खाई में गिरने से एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

गांव में पसरा मातम

हंदवाड़ा - उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा के राजवार गांव में एक दुखद सड़क दुर्घटना होने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गुलाम रसूल भट, ताहिर अहमद भट, रिफत आरा और शबनम आरा के रूप में हुई है। इस घटना से पूरे गांव में मातम छा गया।

हादसे की जानकारी देते एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई जब परिवार के सदस्य पास के नाले से पानी लाने के लिए वाहन में सवार होकर जा रहे थे। इस दौरान वाहन गहरी खाई में गिर गया। इसके तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। कार में सवार सभी को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

इस बीच स्थानीय लोगों ने बताया कि इलाके में लंबे समय से पानी की समस्या है और मृतक अपने लिए पानी लाने के लिए बाहर गए थे। उन्होंने कहा कि अगर पानी की सुविधा होती तो यह घटना नहीं होती। बार-बार अनुरोध करने के बावजूद संबंधित अधिकारियों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। वहीं पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है।

उत्तराखंड में बारिश का कहर जारी... कुमाऊं क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित; चारधाम यात्रा फिर से शुरू

देहरादून- उत्तराखंड के कई हिस्सों में सोमवार को लगातार बारिश जारी रही जिससे कुमाऊं क्षेत्र की नदियां उफान पर हैं, सैकड़ों ग्रामीण सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं और चंपावत तथा उधम सिंह नगर जिलों के कई गांवों में भारी जलभराव हो गया है। अपर आयुक्त (गढ़वाल) नरेंद्र सिंह क्वीरियाल ने बताया कि गढ़वाल क्षेत्र में मौसम में सुधार के बाद चार धाम यात्रा सोमवार को फिर से शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग द्वारा भारी बारिश के पूर्वानुमान के मद्देनजर एक दिन के लिए यात्रा स्थगित कर दी गई थी। देहरादून स्थित राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने बताया कि पिथौरागढ़ में 125.50 मिमी बारिश हुई है, जहां काली, गोरी और सरयू नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। राज्य भर में 200 से अधिक ग्रामीण सड़कें भूस्खलन के मलबे से अवरुद्ध हो गई हैं। उधम सिंह नगर जिले के खटीमा और सितारगंज के अलावा चंपावत जिले के पूर्णागिरि डिवीजन में भारी जलभराव के कारण पुलिस, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) के कर्मियों को लगभग 200 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पड़ा। इन लोगों ने होटल, विवाह भवनों और अपने रिश्तेदारों के यहां शरण ली है। पिथौरागढ़ जिले में लगातार बारिश हो रही है, जिससे दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जिले के मुनस्यारी सब डिवीजन के तेजम गांव में सबसे अधिक 200 मिमी बारिश दर्ज की गई। टनकपुर से पिथौरागढ़ तक का बारहमासी मार्ग भारी बारिश के कारण पिछले चार दिनों में कई बार बंद हो चुका है। इसे पिथौरागढ़ और चंपावत दोनों जिलों की जीवन रेखा माना जाता है। जिले के आपदा प्रबंधन अधिकारी बी एस महार ने बताया, ''पिथौरागढ़ जिले में बारिश के बाद छह सीमावर्ती सड़कों और 21 ग्रामीण सड़कों सहित 28 से अधिक सड़कें अवरूद्ध हो गई हैं।

11 विवाहित महिलाओं ने केंद्र की आवास योजना का पैसा लिया और प्रेमियों के साथ भाग गईं: रिपोर्ट

नेशनल डेस्क- उत्तर प्रदेश की कई महिलाओं ने कथित तौर पर केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) योजना का दुरुपयोग किया, जो गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को स्थायी घर बनाने में सहायता प्रदान करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के महाराजगंज जिले की रहने वाली 11 महिलाओं ने कथित तौर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सरकार से ?40,000 की पहली किस्त ले ली और अपने पतियों को छोड़ दिया और अपने प्रेमियों के साथ भाग गईं। यह घटना तब सामने आई जब उन पतियों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में महाराजगंज जिले में लगभग 2,350 लाभार्थियों को [illegible] योजना के तहत पैसा मिला। कथित तौर पर लाभार्थी ठूठीबारी, शीतलापुर, चटिया, रामनगर, बकुल डीहा, खसरा, किशुनपुर और मेधौली गांवों के हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि इस घटना के बाद अधिकारियों ने लाभार्थियों के लिए दूसरी किस्त का भुगतान रोकने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को पक्का घर बनाने के लिए सरकार की ओर से सहायता मिलती है। सरकार परिवार की आय के अनुसार 2.5 लाख रुपये तक की सब्सिडी भी प्रदान करती है। किसी भी विसंगति के मामले में, अधिकारी लाभार्थियों से पैसा वापस मांग सकते हैं। इसी तरह की घटनाएं पिछले साल उत्तर प्रदेश में हुई थीं जब चार विवाहित महिलाएं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पैसे मिलने के बाद अपने प्रेमियों के साथ अपने घरों से भाग गईं। कथित तौर पर, जैसे ही उनके बैंक खातों में ?50,000 का अनुदान आया, चारों महिलाएं भाग गईं। यह घटना तब सामने आई जब अधिकारियों ने देखा कि उनके घरों पर निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है। अधिकारियों ने नोटिस भी भेजा और उनके घर का निर्माण कार्य तुरंत शुरू करने का आदेश दिया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली और न ही विकास हुआ। इसके बाद, उनके पतियों को जिला शहरी विकास एजेंसी से चेतावनी मिली।

क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा- पुतिन और मोदी मंगलवार को करेंगे व्यापक वार्ता

मॉस्को- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ व्यापक वार्ता करेंगे। शीर्ष रूसी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह वार्ता दोनों नेताओं के बीच होने के अलावा प्रतिनिमंडलों के साथ भी होगी। सरकारी 'तास समाचार एजेंसी ने रूसी राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव को उद्धृत करते हुए कहा, ''दोपहर में, पुतिन और मोदी बातचीत शुरू करेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि यह निजी बातचीत होगी, साथ ही आधिकारिक नाश्ते पर रूस-भारत वार्ता भी होगी।

मंगलवार को मोदी राष्ट्रपति पुतिन के साथ 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा कि हालांकि, दोनों नेता इसके बाद प्रेस को कोई बयान जारी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ''मीडिया के साथ कोई संयुक्त संवाद अपेक्षित नहीं है। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम निजी और विस्तारित, दोनों सत्रों में विचारों के आदान-प्रदान की उम्मीद करते हैं, जो मीडिया को बयान जारी नहीं किये जाने की काफी हद तक भरपाई करेगा। सोमवार शामपुतिन और मोदी की अपेक्षित अनौपचारिक बैठक के बारे में क्रेमलिन के प्रवक्ता ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह असल में कहां होगी। उन्होंने आगामी वार्ताओं में यूक्रेन का जिक्र होने के बारे में भी कुछ नहीं कहा।

क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा, ''बैठक से पहले, इसके बारे में बात करना शायद ही संभव हो। हम आपको सभी विवरणों से अवगत कराते रहेंगे। उन्होंने कहा, ''आज, (दोनों) नेता अनौपचारिक रूप से बातचीत करेंगे और आधिकारिक वार्ता कल होगी। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने कहा, ''हमारा काम एक ठोस बातचीत के लिए माहौल बनाना है। वर्ष 2019 के बाद से मोदी की रूस की पहली यात्रा है, फरवरी 2022 में यूक्रेन संघर्ष की शुरुआत के बाद पहली और प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के तीसरे कार्यकाल में पहली यात्रा है। मोदी सोमवार को यहां पहुंचे।

मोदी और पुतिन मंगलवार को 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में व्यापार, ऊर्जा और रक्षा सहित विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तार देने के तरीकों पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। मोदी-पुतिन की शिखर वार्ता में यूक्रेन संघर्ष भी प्रमुख मुद्दा रह सकता है। पिछला शिखर सम्मेलन 6 दिसंबर, 2021 को नयी दिल्ली में आयोजित किया गया था। राष्ट्रपति पुतिन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत पहुंचे थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569